हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 28 जनवरी 2025 | अंक 106/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
क्या आप जोडे के दर्द से परेशान हो ?
•जोडों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोध• सरवाइकल पेन
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।
नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

भारतीय गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने वर्षा गवर्नमेंट हाउस में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर पुलिस बल की एक टीम ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी.

गणतंत्र दिवस की धूप में चमके अनजान चेहरे

> मोदी सरकार ने गुमनाम हस्तियों का सपना पूरा किया
> 76वें गणतंत्र दिवस पर अनजान हीरो का सम्मान
> अतिथियों को स्वर्णिम भारत चैंपियंस की पहचान
> सरपंचों और आशा कार्यकर्ताओं का सपना पूरा

नई दिल्ली.

रविवार को भारत ने अपना 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया। दिल्ली में राजपथ पर हुई गणतंत्र दिवस की परेड में देश की सैन्य शक्ति के साथ-साथ झांकियों के जरिए अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक विविधता देखने को मिली। इस साल उत्तर प्रदेश की झांकी में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले को समुद्र मंथन और साधुओं के जरिए दर्शाया गया। वहीं, मध्य प्रदेश की झांकी में कूनो नेशनल पार्क के चीते दिखाए गए।

गणतंत्र दिवस की धूप में कई अनजान चेहरे चमके। कर्तव्य पथ पर 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में कुछ ऐसे लोग भी थे जिन्हें अब तक कोई नहीं जानता था। झज्जर की आशा वर्कर सुशीला भी उनमें से एक थीं। उनके पति जगपरवेश की आंखों में गर्व के आंसू थे। भावुकता से भरे जगपरवेश ने कहा, 'मुझे उस पर बहुत गर्व है।'

स्वर्णिम भारत चैंपियंस से मिलिये

सुशीला उन 10 हजार खास मेहमानों में से एक थीं, जिन्हें 'स्वर्णिम भारत के चैंपियन' के रूप में आमंत्रित किया गया था। ये चैंपियन आशा कार्यकर्ता, आदिवासी कलाकार, स्वयं सहायता समूह के सदस्य और स्वयंसेवक थे, जिन्होंने बिना किसी नाम या शोहरत की परवाह किए अपने समुदायों को बदल दिया। इन मेहमानों के कपड़े भी खास थे। सरपंच धोती-कुर्ता में, आशा कार्यकर्ता अपनी वर्दी में और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्य अपनी जैकेट में नजर आये। हर पोशाक इस रंगारंग महफिल में चार चांद लगा रही थी।

कर्तव्य पथ पर पूरे हुए सपने

इन लोगों के लिए, परेड में शामिल होना एक सपने के पूरा होने जैसा था। उनकी जीवन भर की सेवा को आखिरकार पहचान मिली। हरियाणा की 47 वर्षीय आशा कार्यकर्ता संगीता के लिए यह पल सालों की मेहनत का फल था। उन्होंने कहा, 'हमारे क्षेत्र में बहुत सारी आशा कार्यकर्ता हैं। लेकिन मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यह देखने का मौका मिला।'

पंचायत से कर्तव्य पथ तक का सफर

इस साल, पंचायती राज संस्थाओं के चुने हुए प्रतिनिधियों सहित 575 से अधिक विशेष अतिथि परेड में शामिल हुए। इनमें लगभग 40% महिलाएं थीं। यह दिखाता है कि शासन में महिलाओं की भूमिका बढ़ रही है। मुआना गांव के 48 वर्षीय सरपंच श्याम के लिए निमंत्रण एक सुखद आश्चर्य था। उन्होंने कहा, 'कोई भी हमारे काम को सच में नहीं पहचानता, लेकिन हम सरकारी योजनाओं को जमीन पर लाने में मदद करते हैं। यहां होना नई पीढ़ी को दिखाता है कि वे भी अपने समुदाय की सेवा कर सकते हैं।'

शान और गर्व का मौका : हरियाणा के ग्रामीण सचिव विनय की 22 वर्षीय पत्नी स्वीटी शान से खड़ी थीं। उन्होंने कहा, 'हम सरकार और लोगों के बीच सेतु का काम करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी भूमिका हमेशा दिखाई नहीं देती, लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है।' इसी तरह, हरियाणा के सोहना ब्लॉक के 28 वर्षीय सरपंच यश पाल ने स्थानीय सरकारों के सामने आने वाली अनदेखी चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई छोटे-छोटे मुद्दे होते हैं जो चुपचाप सुलझा लिए जाते हैं, लेकिन वे मायने रखते हैं।' हजार से अधिक लोगों की जिम्मेदारी का गर्व उनके चेहरे पर छलक रहा था। राजस्थान के कोटा के 43 वर्षीय सरपंच राकेश योगी के होठों पर मुस्कान बिखर गई। उन्होंने कहा, 'हम भले ही टीवी पर न हों, लेकिन हमारे परिवार अपनी स्क्रीन से चिपके हुए हैं क्योंकि हम परेड का हिस्सा हैं।'

गुमनाम हस्तियों को सलाम : यह दिन उन सभी के लिए खास था जिन्होंने समाज के लिए चुपचाप काम किया है। उनकी कहानियां हमें प्रेरित करती हैं और याद दिलाती हैं कि छोटे-छोटे काम भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। ये लोग सच्चे अर्थों में 'स्वर्णिम भारत के चैंपियन' हैं। उनकी मेहनत और लगन देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। आशा कार्यकर्ताओं से लेकर सरपंच तक, सभी ने अपने काम से समाज को बेहतर बनाने में अपना योगदान दिया है। यह गणतंत्र दिवस उनके लिए एक सम्मान और प्रोत्साहन का दिन था। उनकी कहानियां हमें प्रेरित करती हैं कि हम भी अपने समुदाय के लिए कुछ करें। इन गुमनाम हीरोज को सलाम!

मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए : मोहन भागवत

भिवंडी.

देश भर में आज बड़ी धूमधाम से आज गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है. इस मौके पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के भिवंडी में ध्वजारोहण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए और सद्भाव से रहने की कुंजी ही एकजुटता है.आज विश्व प्रतीक्षा कर रहा है कि भारत से हमें आगे का रास्ता मिले. उन्होंने कहा कि ऐसा भारत बनाना हम सबका स्वाभाविक दायित्व है. भिवंडी में ध्वजारोहण के बाद अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि जश्न के साथ-साथ गणतंत्र दिवस "राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद रखने" का भी अवसर है.

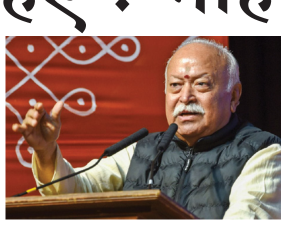

भागवत ने कहा कि विविधता के कारण भारत के बाहर झगड़े हो रहे हैं. हम विविधता को जीवन के स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखते हैं. आपकी अपनी विशिष्टताएं हो सकती हैं, लेकिन आपको एक-दूसरे के लिए अच्छा होना चाहिए. यदि आप जीना चाहते हैं, तो यह एक सामंजस्यपूर्ण जीवन होना चाहिए. अगर आप दुखी हैं तो आपका परिवार दुखी है तो वह खुश नहीं रह सकता, उसी तरह, अगर शहर परेशानी का सामना कर रहा है तो कोई परिवार खुश नहीं रह सकता है. संघ प्रमुख ने अपनी बात समझाते हुए भागवत ने चावल पकाने की तुलना किसी भी कार्य में ज्ञान की आवश्यकता से की.

काम हमेशा ज्ञान के साथ करना चाहिए- संघ प्रमुख

भागवत ने ज्ञान और समर्पण भाव दोनों के साथ काम करने के महत्व पर जोर दिया.उन्होंने कहा कि उद्यमी होना महत्वपूर्ण है, लेकिन आपको अपना काम हमेशा ज्ञान के साथ करना चाहिए. बिना सोचे समझे किया गया कोई भी काम फल नहीं देता, बल्कि परेशानी लाता है. ज्ञान के बिना किया गया काम पागल का काम बन जाता है.

कैलाश मानसरोवर यात्रा 5 साल बाद फिर शुरू होगी

नई दिल्ली. इस साल गर्मी के मौसम में कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू की जाएगी। भारत और चीन के बीच 2020 में डोकलाम में हुए विवाद के बाद इस यात्रा को रोक दिया गया था।

दोनों देशों के विदेश सचिवों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद यात्रा फिर शुरू करने का फैसला लिया गया। बैठक में दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट भी शुरू करने का फैसला लिया गया। ये कोविड के बाद से बंद थीं।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री इस वार्ता के लिए बीजिंग गए थे। यह वार्ता भारत और चीन के विदेश सचिव-उप विदेश मंत्री तंत्र के तहत हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अक्टूबर में कजान में मिले थे।

वक़्फ़ बोर्ड में 2 गैर-मुस्लिमों को भी मिलेगी जगह

> 4 नए प्रस्ताव जोड़े गए; वक्फ बिल को जेपीसी की मंजूरी

नई दिल्ली.

वक्फ संशोधन बिल पर बनी जेपीसी की बैठक आज समाप्त हो गई। संयुक्त संसदीय समिति ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया। इसके अलावा विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए गए हर बदलाव को अस्वीकार कर दिया। दरअसल, यह विधेयक पिछले वर्ष अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और इसमें देश में मुस्लिम धर्मार्थ संपत्तियों के प्रबंधन के तरीके में 44 विवादास्पद परिवर्तन करने का प्रावधान है। जेपीसी की बैठक में इस बिल में कई महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी मिली है।

इस बिल में पहले प्रावधान था कि राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में दो गैर मुस्लिम सदस्य अनिवार्य होंगे। इसमें बदलाव किया गया है। अब पदेन सदस्यों को इससे अलग कर दिया गया है। जिसका मतलब है कि वक्फ परिषदें, चाहे राज्य स्तर पर हों या अखिल भारतीय स्तर पर, कम से कम दो और संभवतः अधिक सदस्य होंगे जो इस्लाम धर्म से नहीं होंगे। वहीं, एक अन्य संशोधन के अनुसार अब कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं इसका फैसला राज्य सरकार की ओर से नामित अधिकारी करेगा। मूल मसौदे में यह निर्णय जिला कलेक्टर पर छोड़ा गया था। एक और अन्य संशोधन के अनुसार कानून पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं होगा। शर्त ये है कि वक्फ संपत्ति पंजीकृत हो यानी जो वक्फ संपत्तियां रजिस्टर्ड है उनपर असर नही पड़ेगा। हालांकि, जो पहले से रजिस्टर्ड नहीं है उनके फैसले भविष्य में तय मानकों के अनुरूप होगा। (लेकिन, कांग्रेस नेता और जेपीसी सदस्य इमरान मसूद ने इसको लेकर कहा कि 90 प्रतिशत वक्फ संपत्तियां वास्तव में पंजीकृत नहीं हैं.

ये बदलाव भी पारित हुए

एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इन तीन परिवर्तनों के अलावा 11 अन्य परिवर्तन सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों द्वारा प्रस्तावित किए गए थे, जिनमें लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या और अपराजिता सारंगी शामिल थे।

अमित शाह ने कुंभ में लगाई डुबकी

प्रयागराज.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के कुछ घंटों बाद कांग्रेस प्रमुख की यह टिप्पणी आई। कुछ शीर्ष संतों के साथ अमित शाह ने दोपहर करीब एक बजे डुबकी लगाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अलग से डुबकी लगाई। गृह मंत्री ने जूनापीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज और कुछ अन्य शीर्ष संतों के साथ बातचीत कर उनका आशीर्वाद भी लिया।

'क्या गंगा नहाने से खत्म हो जाएगी गरीबी': खड़गे

प्रयागराज.

गंगा स्नान पर खड़गे ने कहा, 'अरे भाई, गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होती क्या? आपको खाना मिलता है क्या? मैं किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता हूं. अगर किसी को दुख हुआ तो मैं माफी चाहता हूं.

लेकिन आप बताइए जब बच्चा भूखा मर रहा है, बच्चा स्कूल नहीं जा रहा, मजदूर को मजदूरी नहीं मिल रही, तब ये लोग हजारों रुपये खर्च कर के कम्पटीशन में डुबकियां मार रहे हैं. जब तक टीवी में अच्छा नहीं आता है, तब तक डुबकी मारते रहते हैं. ऐसे लोगों से देश की भलाई नहीं होने वाली है.'

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी नेताओं के महाकुंभ स्नान को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा कि 'गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी खत्म नहीं होगी'. बीजेपी-आरएसएस पर निशाना साधते हुए खड़गे ने कहा, 'वो कहते हैं 'हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग मत ढूंढ़ो' लेकिन लोगों को ऐसा करने के लिए उकसाते रहते हैं.'

महू में बोलते हुए खड़गे ने कहा, 'गंगा में डुबकी लगाने के लिए बीजेपी नेताओं में होड़ मची है. गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी. मैं किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता.' उन्होंने कहा, 'आरएसएस-बीजेपी देशद्रोही हैं. गरीबी-बेरोजगारी से मुक्ति चाहिए तो संविधान की रक्षा करें.'

कांग्रेस बन गई अब नई मुस्लिम लीग

इसके साथ ही बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा, 'आखिर कांग्रेस को हिंदुओं से इतनी नफरत क्यों है? 144 साल में एक बार महाकुंभ आता है, लेकिन कांग्रेस के नेता इस तरह बौखला गए हैं कि हिंदुओं को कोस रहे हैं। पहले कांग्रेस के हुसैन दलवी ने कुंभ को बुरा-भला कहा, और अब स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस अब नई मुस्लिम लीग बन गई है। यह पार्टी देश के लिए नासूर बन चुकी है। इसका लुप्त होना ही सभी के हित में है।'

बीजेपी ने खड़गे पर साधा निशाना : कांग्रेस अध्यक्ष की इस टिप्पणी का बीजेपी नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर किया है। इसमें बीजेपी नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि बोल खड़गे जी रहे हैं पर शब्द गांधी परिवार के हैं।

नहीं उतरने दिया अमेरिका का जहाज

वाशिंगटन.

अमेरिका के राष्ट्रपति पद को संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप ने एक के बाद एक कड़े फैसले लेकर कई देशों की टेंशन को बढ़ा दिया है। इस बीच कोलंबिया की सरकार ने अमेरिका से प्रवासियों को लेकर आ रहे दो विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी जिसके बाद अमेरिका और कोलंबिया के संबंधों में तनाव आ गया है। इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलंबिया के खिलाफ कई कड़े एक्शन लेने का आदेश जारी कर दिया है।

ट्रंप ने लिए ये एक्शन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषणा की है कि वह कोलंबिया के खिलाफ शुल्क, वीजा प्रतिबंध और अन्य जवाबी कदम उठाने का आदेश दे रहे हैं। इसमें कोलंबिया से आयात पर 25% टैरिफ जो कि एक हफ्ते में 50% कर दिया जाएगा। कोलंबियाई सरकारी अधिकारियों और सभी सहयोगियों और समर्थकों पर यात्रा और वीजा प्रतिबंध।

मौनी अमावस्या से पहले करोड़ों श्रद्धालु पहुंचे प्रयागराज

प्रयागराज.

प्रयागराज में सनातनी आस्था के महापर्व महाकुंभ का आज 15वां दिन है। सुबह से ही लाखों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा रहे हैं। महाकुंभ में भीड़ लगातार रिकॉड तोड़ रही हैं। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या से पहले ही प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। शनिवार और रविवार की छुट्टी का असर साफ देखने को मिल रहा है और हर दिशा से श्रद्धालु संगम की ओर बढ़ रहे हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और हाइवे पर श्रद्धालुओं का सैलाब देखा जा सकता है।

प्रयागराज में लोगों की भीड़ : मौनी अमावस्या के स्नान से पहले ही करोड़ों लोग यहां पहुंच रहे हैं। वीडियो में ये जो जन सैलाब दिखाई दे रहा हैं ये मेले के एंट्री पॉइंट यानि परेड ग्राउंड का हैं। लाखो की भीड़ पैदल चलती चली जा रही हैं। कुंभ मेले में प्रवेश करते ही भीड़ इतनी बढ़ रही है कि लोग एक-दूसरे से टकरा-टकरा कर चलने को मजबूर है। आज कुम्भ में आने वाले लोगों की भीड़ देखकर साफ है कि मौनी अमावस्या के स्नान पर 8-10 करोड़ लोगों की भीड़ आएगी।

आस्था के इस मेले में पहुंचने के लिए हर शख्स जतन कर रहा है। लोग थक भी रहे हैं लेकिन मां गंगा की आस्था सब पर भारी है। लोग जय गंगे का उद्घोष करते हुए बस अपनी मंजिल की ओर बढ़ते जा रहे हैं। आज कई व्हिआयपी भी कुम्भ में आए हैं जिसकी वजह से भी श्रद्धालुओं को थोड़ी परेशानी हो रही है।

मेला प्रशासन और कुंभ पुलिस ने कसी कमर

- पिछले दो दिनों (शुक्रवार और शनिवार) में ही सवा करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में स्नान किया है। मौनी अमावस्या के दिन करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।
- मेला प्रशासन और कुंभ पुलिस की हरसंभव कोशिश है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मेला प्रशासन और कुंभ पुलिस ने अमृत स्नान पर्व को देखते हुए व्यापक तैयारियां की हैं और पूरे मेला क्षेत्र को 'वाहन निषिद्ध क्षेत्र' घोषित किया गया है।
- संगम तटों पर बैरिकेडिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे। इसमें कहा गया है कि श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए हर सेक्टर और जोन में विशेष व्यवस्था की गई है और इस दौरान किसी भी तरह का प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा।
- संगम पर अत्यधिक भीड़ जमा न हो, इसके लिए आईसीसीसी (इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर) निगरानी करेगा और भीड़ वाले इलाकों में त्वरित कार्यवाही के लिए विशेष दल तैनात किए गए हैं।
- मेला क्षेत्र में अतिक्रमण कर लगाई गई अवैध दुकानों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा के लिए साफ और चौड़ी सड़कें उपलब्ध कराई जा सकें। स्वच्छता कर्मियों को साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विकसित महाराष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध

मुंबई.

राज्यपाल सी.पी. ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सभी सामाजिक तत्वों के साथ एक समावेशी, प्रगतिशील और विकसित महाराष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत के 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित मुख्य शासकीय समारोह में संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के गवर्नर राधाकृष्णन ने कहां।

आइए हम सब एक साथ आएं और एक नए और मजबूत महाराष्ट्र के निर्माण का संकल्प लें और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने के लिए हम सभी मिलकर काम करें, राज्यपाल सी.पी. इस अवसर पर राधाकृष्णन, विधान परिषद के अध्यक्ष राम शिंदे, मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मुख्य सचिव सुजाता सैनिक, अतिरिक्त मुख्य सचिव और मुख्य शाही शिष्टाचार अधिकारी मनीषा म्हैस्कर, पुलिस महानिदेशक रश्मी शुक्ला और अन्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

चीनी मिलों को ऑर्डर पाने में हो रही परेशानी

नई दिल्ली.

सरकार से चालू सत्र 2024-25 के लिए 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति मिलने के बाद भी भारतीयों व्यापारियों को ऑर्डर पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चार डीलरों ने कहा, भारतीय चीनी मिलें लंदन कीमतों से अधिक प्रीमियम मांग रही हैं, जिसे विदेशी खरीदार देने को तैयार नहीं हैं। भारत से चीनी निर्यात की गति भी घटकर तीन साल के निचले स्तर पर आ गई है।

मुंबई के एक डीलर ने बताया, केंद्र से निर्यात की अनुमति मिलने के बाद से चीनी की स्थानीय कीमतें करीब 10 फीसदी बढ़ गई हैं। मिलें अब अपने 3.174 फीसदी के आवंटित कोटे के निर्यात के लिए वैश्विक कीमतों पर भारी प्रीमियम मांग रही हैं। डीलरों ने बताया, चीनी मिलों ने इस सप्ताह 20,000 टन सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात के लिए अनुबंध किया है। यह अनुबंध 490 से 510 डॉलर प्रति टन के बीच किया गया है, जो बेंचमार्क लंदन वायदा से करीब 10-25 डॉलर प्रति टन अधिक है।

> घरेलू बाजार में 10 फीसदी बढ़े दाम

करीब एक लाख टन चीनी निर्यात किया

दरअसल, चीनी मिलों को सितंबर, 2025 से पहले आवंटित कोटे का निर्यात करना है, इसलिए वे अनुबंध में जल्दबाजी नहीं दिखा रही हैं। इसके बजाय वे चीनी की वैश्विक कीमतें बढ़ने का इंतजार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश ने आवंटित 2,74,184 टन के कोटे से करीब एक लाख टन चीनी निर्यात किया है।

सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने पर कारोबार पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली.

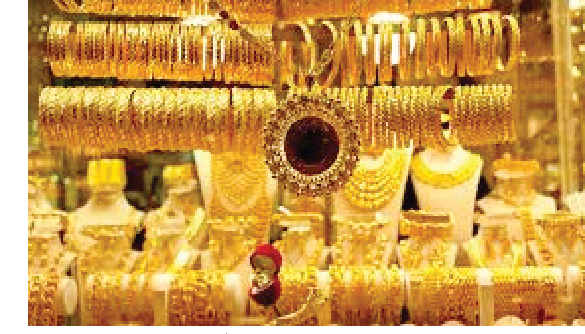

पिछले जुलाई में सोने पर आयात शुल्क कम करने के सरकार के फैसले का उद्योग पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और आगामी बजट में टैरिफ में किसी भी तरह की वृद्धि कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने यह आशंक जताई है।

2025-26 के बजट से पहले कीमती धातु पर आयात शुल्क न बढ़ाने का अनुरोध करते हुए डब्ल्यूजीसी के भारत के क्षेत्रीय सीईओ सचिन जैन ने कहा, "आगामी बजट में आयात शुल्क में किसी भी वृद्धि का प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे तस्करी में वृद्धि, घरेलू सोने की कीमतों में वृद्धि और उद्योग को पीछे धकेलने की आशंका है।"

एक बजट पूर्व नोट में जैन ने कहा, "यह जरूरी है कि सरकारी निकायों, उद्योग जगत के लोगों और वित्तीय संस्थानों सहित सभी हितधारक बाजार की सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए सहयोग करें। एक तालमेलपूर्ण भरे वातावरण को बढ़ावा देकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि स्वर्ण उद्योग फलता-फूलता रहे, नवाचार करता रहे और भारत के आर्थिक विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे। जैन ने कहा कि वे पिछले दशक की तरह, बजट में प्रगतिशील, लोगों के अनुकूल और उद्योग को मदद पहुंचाने वाली घोषणाओं की उम्मीद कर रहे हैं। सोने का उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद में अनुमानित रूप से 1.3 प्रतिशत का योगदान देता है और लगभग 20 से 30 लाख लोगों को रोजगार देता है। जुलाई में पेश किए गए बजट 2024 में सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया था।

कैनरा और बैंक ऑफ बड़ौदा पर 5.94 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली.

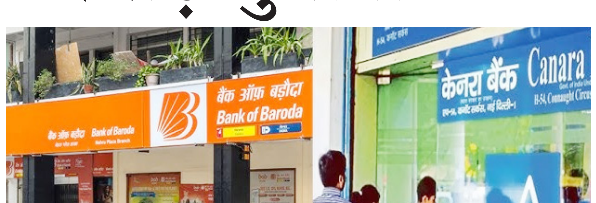

नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए आरबीआई ने जम्मू-कश्मीर बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और कैनरा बैंक पर कुल 5.94 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा, जम्मू-कश्मीर बैंक पर वित्तीय समावेशन, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच, केवाईसी और ऋण-अग्रिम से जुड़े मानदंडों के उल्लंघन के लिए 3.31 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए एक करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। केनरा बैंक पर प्राथमिकता क्षेत्र ऋण, जमा पर ब्याज दर और वित्तीय समावेशन से जुड़े कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए 1.63 करोड़ जुर्माना लगाया गया है। इनके अलावा, वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता पर निर्देश नहीं मानने पर डेटसन एक्सपोर्ट्स पश्चिम बंगाल पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

हेल्थ सेक्टर को लेकर हो सकते हैं बड़े फैसले

नई दिल्ली.

हेल्थ सेक्टर को आगामी बजट से काफी उम्मीदें हैं. इस सेक्टर से जुड़ी बीमा कंपनियां आशा कर रही हैं कि सरकार उन्हें रियायत देगी और उन्हें बजट से कई तरीके के लाभ मिलेंगे. आगामी 1 फरवरी को पेश होने वाली केंद्रीय बजट में हर सेक्टर की तरहा हेल्थ सेक्टर के भी लाभ की उम्मीद है. एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के सीईओ नवीन चंद्र झा ने कहा कि हेल्थ सेक्टर में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. इसलिए ऐसी उम्मीद है कि सरकार इस सेक्टर को और मजबूत करने के लिए बजट में कुछ ऐलान कर सकती है. उन्होंने कहा कि 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार की गई बीमा सुगम जैसी योजना को सपोर्ट देने के लिए सरकार उनके लिए फंड जारी कर सकती है. इसके अलावा सुदूर इलाकों का डिजिटली पहुंचने के लिए सरकार कुछ प्लान बना सकती है.

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी इरडाई की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में बीमा कवर में साल 2022-23 की तुलना में कमी आई है. बीमा लेने वालो की संख्या जहां 2023-24 में 4 फीसदी थी वह घटकर 3.7 फीसदी रह गई. इसको बढ़ाने के लिए सरकार बजट में कुछ ऐलान कर सकती है.

टर्म इंश्योरेंस के लिए अलग से कर कटौती शुरू करने और नई कर व्यवस्था के तहत जीवन बीमा प्रीमियम पर कर कटौती का विस्ता किया जा सकता है. मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के मुख्य वित्तीय अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत और उच्च बीमा राशि कवर की आवश्यकता को देखते हुए,

सरकार को स्वास्थ्य बीमा के लिए दिए जाने वाले प्रीमियम के लिए इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत सभी लोगों के लिए लिमिट को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर देना चाहिए. वहीं, सीनियर सिटिजन के लिए इसे 1 लाख तक बढ़ा देना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर सरकार की ओर से ऐसा किया जाता है, तो सबके लिए बीमा के लक्ष्य को पाने में भी आसानी होगी और लोगों को भी फायदा होगा.

पी एफ़ के बदल सकते हैं नियम

नई दिल्ली.

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कर्मचारियों की सुविधा के लिए साल 2025 में 5 नए बदलाव हो सकते हैं, जिससे सब्सक्राइबर्स को काफी मदद मिलेगी. आइए हम आपको बताते हैं कि ईपी एँफ़ओ पीएफ होल्डर्स की मदद के लिए 5 कौन से नियमों में बदलाव कर सकता है, जिनसे कर्मचारियों को फायदा होगा. ईपीएफओ कर्मचारियों को 24 घंटे और 7 दिन फंड विड्रॉल करने का ऑप्शन देने का प्लान कर रहा है. संगठन इसी साल से पीएफ होल्डर को एटीएम के जरिए फंड निकालने की सुविधा प्रोवाइड करा सकता है. इस नए नियम के लागू होने से पीएफ सब्सक्राइबर एटीएम से पैसा निकाल सकेंगे, जिसमें अभी 7 से 10 दिन लग जाते हैं. इस साल संगठन कर्मचारियों की ओर से फंड में कॉन्ट्रीब्यूशन की लिमिट में भी बदलाव कर सकता है. ईपीएफओ के तहत अभी 12 फीसदी का फंड कर्मचारी खुद जमा करता और उतना ही फंड कंपनी जमा करती है. सरकार इस लिमिट को बढ़ा सकती है.

ईपीएफओ इस साल अपने आईटी सिस्टम को अपग्रेड कर रहा है, जिससे पीएफ होल्डर को फंड जमा करने में आसानी हो. ऐसा कहा जा रहा है कि संगठन आईटी अपग्रेड जून 2025 तक पूरा कर लेगा. इसके साथ ही सिस्टम अपग्रेड होने से क्लेम आसानी से सेटल कराए जा सकेंगे.

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पीएफ होल्डर को इक्विटी में निवेश करने का ऑप्शन दे सकती है. इससे पीएफ होल्डर अपने फंड को खुद से मैनेज कर पाएंगे और वहां से ज्यादा रिटर्न भी पा सकेंगे. ईपीएफओ के तहत पीएफ फंड को एक रिटायरमेंट फंड के तौर पर जाना जाता है, जिससे पीएफ होल्डर्स को रिटायरमेंट के बाद पेंशन मिलती है. ईपीएफओ कर्मचारियों के लिए पेंशन फंड को निकालने में आसानी हो. इसके लिए अहम बदलाव कर रहा है. अब पेंशनर्स बिना किसी एडिशनल बैंकिंग वेरिफिकेशन से पैसा निकाल सकेंगे.

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली. हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। वैश्विक बाजारों में बिकवाली के दबाव के बीच सेंसेक्स 800 अंकों तक फिसल गया। दूसरी ओर, निफ्टी भी 22800 से नीचे आ गया। सुबह 11 बजकर 01 मिनट पर सेंसेक्स 783.08 अंकों की गिरावट के साथ 75,427.04 पर कारोबार करता दिखा। वहीं, निफ्टी 238.91 अंक फिसल कर 22,853.30 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे गिरकर 86.44 डॉलर पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,758.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।वैश्विक बाजार में नरमी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार में गिरावट को और बढ़ा दिया।विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरमी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 22 पैसे की गिरावट के साथ 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया।

एक्सपोर्ट्स में जोरदार उछाल

नई दिल्ली.

अमेरिका को भारत का निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर पर पहुंच गया है. सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मजबूत मांग से निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज हुई है. दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 प्रतिशत बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है. चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में अमेरिका से भारत का आयात 1.91 प्रतिशत बढ़कर 33.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया. वहीं दिसंबर में यह 9.88 प्रतिशत बढ़कर 3.77 अरब डॉलर रहा है.विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा रुझान को देखते हुए कहा जा सकता है कि आगामी महीनों में दोनों देशों के बीच व्यापार और बढ़ेगा. अप्रैल-दिसंबर के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 93.4 अरब डॉलर रहा है. वहीं, इसी अवधि में भारत और चीन के बीच व्यापार 94.6 अरब डॉलर रहा है.विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच संभावित व्यापार युद्ध भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी संभावनाएं पैदा करेगा. वर्ष 2021-22 से अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. भारत के कुल गुड्स निर्यात में अमेरिका का हिस्सा लगभग 18 प्रतिशत है, आयात में यह छह प्रतिशत से अधिक है. वहीं द्विपक्षीय व्यापार में यह लगभग 11 प्रतिशत बैठता है.कुछ विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि यदि अमेरिका कुछ भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है,

सेमीकंडक्टर सेक्टर में चमकेगा भारत का सिक्का

नई दिल्ली.

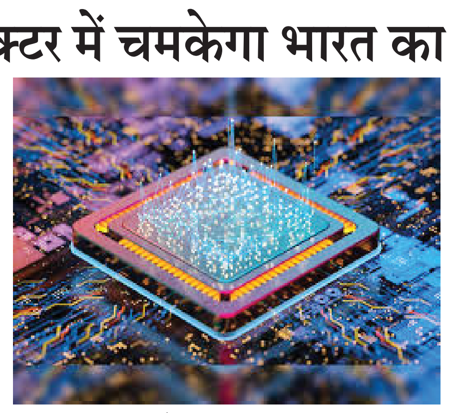

सेमीकंडक्टर सेक्टर में ग्लोबल लेबल पर भारत अपनी नई पहचान बनाने की ओर बढ़ रहा है. साल 2024 में सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट के साथ-साथ कई असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग और आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली का विकास किया.पिछले साल इस सेक्टर में 1.26 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया, जिससे सेक्टर में विकास देखने को मिला.

देश की सेमीकंडक्टर इंजस्ट्री की अभी कुल वैल्यूएशन करीब 41.2 बिलियन डॉलर की है, जिसका आने वाले समय में 19 फीसदी के साथ बढ़ सकती है.आगामी बजट में इस सेक्टर और बढ़ाने के लिए कुछ अहम फैसले लिए जा सकते हैं, जिसमें से पहला पीएलआई स्कीम को लेकर हो सकता है. इस स्कीम के जरिए इंडस्ट्री को अच्छा खासा बूस्ट मिला है.सरकार की ओर से सेमीकंडक्टर में निर्यात को बढ़ाने के लिए कुछ ऐलान किया जा सकता है. केंद्रीय बजट 2025 में इस सेक्टर को बढ़ाने के लिए और देश सेमीकंडक्टर सेक्टर में दुनिया को टक्कर दे सके इसके लिए घोषणाएं हो सकती हैं.

अभिनेत्री यामी गौतम बनी ब्रांड एंबेसडर

मुंबई.

पिरामल फार्मा लिमिटेड के इंडिया कंज्यूमर हेल्थकेयर (आईसीएच) ने आज अपने प्रमुख बेबी केयर ब्रांड, लिटिल के लिए अपने नए अभियान, स्विच टू सोफ्टर की शुरुआत की घोषणा की। इस अभियान में अभिनेत्री यामी गौतम को ब्रांड के नए एंबेसडर के रूप में दिखाया गया है और लिटिल के फ्लफी सॉफ्ट डायपर पैंट पेश किए गए हैं - जो 12 घंटे के अवशोषण को सुनिश्चित करने के लिए बेहतर आयातित सामग्रियों से तैयार किए गए हैं, एक एंटी-रैश फॉर्मूला और शिशुओं के लिए चौतरफा सुरक्षा और बढ़ी हुई कोमलता के लिए एक नमी सूचक है।

युवा माताएं अक्सर शिशु उत्पादों का चयन करते समय खुद उचित शोध करने के बजाय परिवार, दोस्तों और अपने सामाजिक दायरे की ओर रुख करती हैं। ब्रैंड लिटिल का उद्देश्य माताओं को ब्रांड को आजमाकर सूचित विकल्प बनाने के लिए राजी करके इस प्रवृत्ति को तोड़ना है, जो चिकने और मुलायम डायपर देने का वादा करता है, जिसे मूर्त रूप से महसूस किया जा सकता है। ब्रांड अपने नए ब्रांड एंबेसडर यामी गौतम के साथ अभियान के माध्यम से इस संदेश को दृढ़ता से व्यक्त करता है। उत्पाद की गुणवत्ता पर उपभोक्ताओं को और अधिक आश्वस्त करने के लिए, ब्रांड उपभोक्ता के उत्पाद से खुश न होने पर पैसे वापस करने की गारंटी दे रहा है, जिससे अधिक आत्मविश्वास पैदा होता है। "लिटिल्स के साथ इस साझेदारी पर यामी गौतम ने कहा, "एक नई मां के रूप में, मैं लिटिल्स के साथ साझेदारी करके बेहद खुश हूं, यह एक ऐसा ब्रांड है जो वास्तव में शिशुओं और माताओं दोनों की ज़रूरतों को समझता है।

1980 के दशक में स्थापित लिटिल ने शिशु देखभाल में एक विश्वसनीय नाम के रूप में एक मजबूत विरासत बनाई है। पिछले तीन दशकों में, यह शिशु उत्पादों के लिए भारत के सबसे प्रिय ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसने भारतीय माताओं का विश्वास जीता है। यह ब्रांड जन्म से लेकर 2 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो विभिन्न जीवन चरणों में उनकी विविध आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इसके उत्पाद पोर्टफोलियो में डायपर, वाइप्स, फीडिंग, खिलौने और शिशु व्यक्तिगत देखभाल शामिल हैं, जिनमें से सभी का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और माता-पिता द्वारा अनुशंसित किया जाता है।

कारोबार वाले व्यवसायों के लिए पंजीकरण अनिवार्य

नई दिल्ली.

जिन कारोबारी संस्थाओं को जीएसटी पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं है, लेकिन कुछ विशिष्ट प्रावधानों के तहत कर भुगतान करना आवश्यक है, वे अब अस्थायी पहचान संख्या (टीन) प्राप्त कर सकती हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) इसके लिए जीएसटी नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है। जीएसटी नियमों के तहत विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में क्रमशः 40 लाख व 20 लाख रुपये के सालाना कारोबार वाले व्यवसायों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।

बोर्ड ने केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में नियम 16ए पेश करते हुए कहा, जहां कोई व्यक्ति प्रावधान के तहत पंजीकरण के लिए उत्तरदायी नहीं है, लेकिन कर भुगतान जरूरी है,

लोगों पर अनुपालन का बोझ घटेगा

उचित अधिकारी उस व्यक्ति को एक अस्थायी पहचान संख्या दे सकता है। जीएसटी परिषद ने पिछले माह ऐसी संस्थाओं को टीआईएन जारी करने का निर्णय लिया था। इससे सुचारू कर भुगतान सुनिश्चित होगा। उन लोगों पर अनुपालन का बोझ घटेगा, जो कर योग्य गतिविधियों में नियमित शामिल नहीं होते हैं।

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

निकाल — महाराष्ट्र सह्याद्री — सोडत सायं. 4:30 वाजता

• धनलक्ष्मी विकली लॉटरी •

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 04 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 27/01/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 10000/- — SL-09 : 1229

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 1998 — त्रिमूर्ती लॉटरी एजन्सी, मुंबई

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1923 डायमंड कॉर्पोरेशन, बोरीवली — 5024 — 5418

चौथे बक्षिस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1106	1796	2862	3981	5506
1127	1810	2927	4045	5570
1186	1878	3003	4371	5596
1228	2029	3355	4401	5630
1332	2300	3438	4644	5767
1412	2475	3523	4702	5770
1614	2692	3653	4793	5866
1787	2790	3874	5179	5935

महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — सोडत दिनांक 11-02-2025 — 22 लाख — 2 लाख — 12 लाख

महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 27/01/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दर सोमवार — सोडत क्रमांक 04 — सोडत दिनांक 27/01/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — SL-07 : 4559

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — इतर सर्व मालिकांसाठी — 4559 — रायल एजन्सी - आकोली

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1150	1511	3367	4327	6096	6981
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	3248	4843	5513	6419	6797	6812
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1135	2539	3051	4556	6453	6567
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1260	1370	2649	2878	4927	5344

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1779	2150	2524	2950	3390	3919	4387	4714	5199	5604	6064	6566
		1781	2182	2533	2954	3393	3920	4401	4740	5218	5605	6068	6586
1003	1400	1785	2187	2538	3000	3463	3925	4405	4741	5315	5611	6078	6587
1013	1429	1791	2188	2555	3009	3474	3928	4409	4751	5358	5614	6084	6589
1018	1432	1809	2193	2559	3011	3478	3932	4411	4778	5375	5625	6101	6606
1032	1437	1814	2208	2565	3016	3501	3938	4419	4788	5401	5640	6102	6632
1046	1440	1815	2215	2638	3028	3503	3943	4422	4789	5415	5650	6123	6637
1059	1444	1826	2224	2639	3035	3525	3983	4433	4812	5436	5675	6126	6643
1087	1489	1830	2233	2655	3046	3539	3990	4435	4841	5450	5705	6141	6655
1101	1494	1840	2242	2666	3080	3566	4001	4444	4846	5452	5707	6164	6671
1102	1501	1848	2255	2668	3091	3570	4005	4446	4858	5461	5718	6176	6675
1103	1510	1861	2258	2690	3106	3574	4006	4449	4871	5495	5744	6207	6678
1113	1514	1868	2260	2691	3113	3575	4034	4456	4874	5508	5748	6209	6692
1119	1517	1872	2266	2692	3138	3613	4072	4462	4882	5509	5757	6224	6699
1120	1523	1888	2267	2699	3144	3615	4077	4464	4884	5510	5798	6236	6711
1122	1529	1913	2276	2700	3161	3657	4092	4469	4904	5512	5804	6239	6728
1126	1578	1914	2279	2721	3188	3693	4093	4473	4914	5515	5814	6246	6742
1141	1612	1917	2282	2722	3192	3697	4098	4476	4918	5531	5831	6262	6758
1149	1616	1919	2292	2771	3208	3718	4103	4479	4920	5532	5836	6263	6760
1164	1625	1926	2303	2780	3211	3733	4115	4482	4968	5536	5852	6276	6763
1176	1634	1929	2307	2782	3233	3751	4156	4485	4969	5544	5859	6293	6764
1180	1638	1947	2310	2799	3238	3767	4177	4489	4970	5551	5862	6294	6776
1183	1651	1961	2321	2808	3239	3780	4178	4508	4974	5554	5867	6328	6805
1185	1680	1976	2322	2811	3254	3803	4194	4520	4982	5558	5893	6354	6861
1194	1699	1984	2326	2819	3296	3814	4204	4554	5008	5559	5903	6359	6864
1228	1700	2012	2328	2822	3301	3823	4217	4557	5018	5560	5919	6364	6865
1231	1703	2021	2337	2826	3335	3838	4224	4574	5020	5561	5928	6372	6866
1241	1711	2024	2342	2882	3342	3839	4267	4596	5028	5564	5934	6407	6869
1261	1712	2026	2383	2886	3346	3847	4270	4603	5050	5571	5948	6428	6876
1270	1713	2029	2389	2891	3352	3848	4292	4608	5052	5573	5958	6435	6879
1294	1717	2032	2402	2916	3357	3868	4304	4625	5068	5574	5985	6437	6906
1304	1718	2059	2403	2920	3358	3873	4337	4653	5075	5578	5995	6446	6915
1315	1722	2078	2424	2923	3376	3881	4341	4674	5085	5581	5996	6467	6929
1319	1743	2082	2443	2929	3377	3882	4342	4703	5143	5582	6019	6474	6954
1322	1748	2129	2462	2935	3381	3888	4353	4704	5167	5588	6041	6506	6965
1329	1752	2132	2503	2944	3382	3896	4367	4706	5197	5602	6059	6511	6986

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 21/02/2025

जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिकिट किंमत ₹200/-

सागरलक्ष्मी सोडत दिनांक 27/01/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

गणतंत्र दिवस पर कोस्टल रोड ब्रिज का उद्घाटन

मुंबई.

मुंबई में रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कोस्टल रोड के दूसरे चरण का उद्घाटन किया. मरीन ड्राइव से बांद्रा तक का सफर जो पहले करीब डेढ़ घंटे में होता था, अब सिर्फ 15 मिनट में पूरा होगा. बांद्रा से मरीन ड्राइव और मरीन ड्राइव से बांद्रा तक कोस्टल रोड के दोनों रास्ते आज खोल दिए गये. मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे. जब उन्होंने इस ब्रिज का लोकार्पण किया तो उनके साथ विंटेज कार साथ में चली. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खुद एक विंटेज कार को ड्राइव कर रहे थे और उनके बगल में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बैठे थे.

विंटेज कार में सफर की तस्वीरें बेहद शानदार थीं. कोस्टल रोड को बनाने में करीब 7 साल का समय लगा. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मुताबिक कोस्टल रोड यानी समुद्री किनारे बने ब्रिज का उद्घाटन दो चरणों में हुआ. परियोजना का काम 94 फीसदी पूरा हो चुका है. इस पुल का निर्माण 14 हजार करोड़ रुपये की

लागत से किया गया है.

...तो देवेंद्र फडणवीस मांग लेंगे इस्तीफा

सांगली महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा है कि यदि सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में धनंजय मुंडे के खिलाफ सबूत मिलते हैं, तो उन्हें मंत्री पद छोड़ने को कहा जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पाटिल ने रविवार को सांगली में संवाददाताओं को बताया कि देशमुख की हत्या की व्यापक स्तर पर जांच की जा रही है।

राज्य सरकार में मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मिक कराड को सरपंच की हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया है। बीड जिले के परली से राकांपा विधायक मुंडे, कराड के साथ संबंधों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ सहयोगियों और विपक्ष के निशाने पर हैं।

बीड जिले के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण करने के बाद उन्हें प्रताड़ित किया गया फिर उनकी हत्या कर दी गई थी। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि सरपंच ने क्षेत्र में पवनचक्की परियोजना संचालित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली की कोशिश को नाकाम करने का प्रयास किया था।

भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने कहा, 'संतोष देशमुख की हत्या मामले की जांच चल रही है। हर मामला अलग होता है। सरकार के मुखिया के तौर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस फैसले लेने में पूरी तरह सक्षम हैं। अगर उन्हें लगता है कि आरोपों में सच्चाई है तो वह तुरंत कार्रवाई करेंगे और मुंडे से इस्तीफा देने को कहेंगे।'

पाटिल ने कहा, 'महाराष्ट्र सरकार ने सरपंच देशमुख हत्याकांड के आरोपियों की संपत्ति जब्त कर ली है। आरोपियों पर सख्त धाराएं लगाई गई हैं और मामले की जांच जारी है।' पाटिल ने कहा कि पुलिस सक्रियता से मामले की जांच कर रही है और इसकी जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) भी गठित किया गया है।

मंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त जांच की निगरानी के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। पाटिल ने बताया कि वाल्मीक कराड और अन्य आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कठोर कार्रवाई करने सहित अन्य कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कराड की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

कोस्टल ब्रिज से मिली नई पहचान

इसे 27 जनवरी की सुबह से मुंबईकरों के लिए खोल दिया जाएगा. सड़क ने मुंबई को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है. पुल से प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी. सड़क के एक हिस्से का सौंदर्यीकरण किया गया है. एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुंबई का यह कोस्टल ब्रिज महानगर को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दे रहा है और यूट्यूब पर लोग इस ब्रिज के बारे में जानना भी चाहते हैं.

मुंबई वासियों के लिए बड़ी सौगात

फिलहाल इस ब्रिज को लेकर के राजनीति भी होती रही है. महाविकास अघाडी सरकार ब्रिज को बनाने में खुद का श्रेय ले रही है. महायुति की सरकार का कहना है कि उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में कोस्टल ब्रिज का काम बहुत धीमी गति से हुआ. काम में तेजी महायुति की सरकार बनने के बाद आई. जिसका परिणाम सामने है. महाराष्ट्र सरकार की तरफ से 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मुंबई वासियों के लिए सबसे बड़ा तोहफा माना जा रहा है.

तीसरी मंजिल से गिरकर भी जिंदा बचा 2 साल का बच्चा

मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के डोंबिवली में एक चमत्कारिक घटना देखने को मिली है. इस घटना में एक दो साल का बच्चा तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया. इतने में एक व्यक्ति ने उसे लपकने की कोशिश की. बावजूद इसके वह फिसलकर नीचे गिर गया. इस घटना में उसे खरोंच तक नहीं आई है. इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है.

मामला डोंबिवली के देवीचापाड़ा इलाके में रविवार की सुबह का है. जानकारी के मुताबिक देवीचापाड़ा स्थित एक 13 मंजिली इमारत के तीसरी मंजिल पर एक परिवार रहता है. रविवार की सुबह इस परिवार का दो वर्षीय बच्चा बालकनी में खेलते खेलते अचानक से नीचे गिर गया. संयोग से इसी इमारत में रहने वाले भावेश म्हात्रे नाम के युवक ने इस बच्चे को गिरते हुए देखा तो उसने अपनी जान की परवाह किए बिना उसे बचाने के लिए छलांग लगा दी.

बच्चे को खरोंच तक नहीं आई

भावेश ने बच्चे को पकड़ तो लिया, लेकिन संभलते संभलते यह बच्चा फिसल कर जमीन पर चला गया. इतने में भावेश ने उसके नीचे अपना पैर लगा दिया. इससे बच्चा जमीन से टकराने से बच गया. इस घटना में बच्चों को कोई खरोंच तक नहीं आई है. यह पूरी घटना इमारत में लगे कई सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है. फिलहाल इन्हीं में से एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज सोशल मीडिया में वायरल हो रही है.

भावेश की बहादुरी को सलाम कर रहे लोग

सोशल मीडिया में वायरल हो रहे इस वीडियो को देखकर हर कोई यह कहने लगा है कि यह भगवान का चमत्कार है. लोग इसे देखकर हैरान है कि करीब 35 फुट की ऊंचाई से गिरने के बाद भी यह बच्चा सुरक्षित है. वहीं लोग भावेश म्हात्रे की बहादुरी और इंसानियत को सलाम कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि भावेश ने एक जिंदगी बचाने के लिए जिस साहस का प्रदर्शन किया है, वह लोगों के लिए एक संदेश है.

पद्म विजेताओं को सीएम फडणवीस ने दी बधाई

मुंबई.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2025 के लिए देश के सर्वोच्च सम्मान पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी है. इस साल कुल 139 लोगों को यह सम्मान मिलेगा. इनमें 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं. महाराष्ट्र की पांच हस्तियों को भी पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. इनमें तीन को पद्म भूषण और दो लोगों को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा. इनमें दो लोगों को ये पुरस्कार मरणोपरांत दिया जाएगा.

ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, सार्वजनिक जीवन, विज्ञान, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे कई क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं. देश के सर्वोच्च सम्मान पाने वालों में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी, वरिष्ठ गायक पंकज उधास और शेखर कपूर को पद्म भूषण से सम्मानित करने का ऐलान किया गया है.

दो लोगों को मिलेगा पद्मश्री

जबकि मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली और होम्योपैथी के माध्यम से लाखों जरूरतमंद लोगों की सेवा करने वाले डॉ विलास डांगरे को पद्मश्री देने की घोषणा की गई है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पद्म पुरस्कार पाने वालों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं. उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "मैं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी और वरिष्ठ गायक पंकज उधास को सलाम करता हूं."

सीएम फडणवीस ने दी बधाई

उन्होंने कहा, "मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमने हाल ही में अशोक मामा को महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित किया और आज उन्हें पद्मश्री पुरस्कार देने की घोषणा की गई. उनको हार्दिक बधाई. मारुति चितमपल्ली, जिन्हें हम वन ऋषि कहते हैं, ने पशु, पक्षी, वृक्ष और पुष्प से जो साहित्य रचा है, वह अद्वितीय है, उन्होंने पहला पक्षीघर बनाया. 18 भाषाओं के ज्ञाता चितमपल्ली ने 21 से अधिक पुस्तकें लिखीं, इस विश्वास के साथ कि प्रकृति एक जीवित प्राणी है."

सीएम ने कहा, "उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जो कार्य किया है वह बहुत बड़ा है. यद्यपि वे सोलापुर से हैं, लेकिन उनका कार्य क्षेत्र विदर्भ है. होम्योपैथी के माध्यम से लाखों जरूरतमंद लोगों को डॉ विलास डांगरे द्वारा दी जा रही सेवा अद्वितीय है. विशेषकर हाल ही में अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद, उन्होंने कभी भी इन्हें अपनी समाज सेवा में बाधा नहीं बनने दिया. नागपुर-विदर्भ के इन दोनों रत्नों के लिए यह एक अनूठा सम्मान है. मैं उन्हें बधाई देता हूं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं."

एकनाथ शिंदेने सड़क पर अचानक रोका काफिला

ठाणे.

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसपर लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो गणतंत्र दिवस के दिन का ही है। उनका काफिला गुजर रहा था तभी शिंदे ने देखा कि एक मोटरसाइकल सवार घायल हो गया है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने तत्काल अपना काफिला रुकवा दिया और वह खुद गाड़ी से उतर गए। शिंदे घायल शख्स के पास पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचवाने का इंतजाम करवाया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि घायल शख्स को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा है। एकनाथ शिंदे ने अपने काफिले के सभी वाहनों को किनारे लगवा दिया। बताया गया कि वह 76वें गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसके बाद वह साकेत पुलिस ग्राउंड ठाणे के कार्यक्रम में पहुंचे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नॉर्थ चैनल ब्रिज का उद्घाटन किया। यह पुल मुंबई कोस्ट्ल रोड प्रोजेक्ट और वर्ली बांद्रा सीलिंक को जोड़ेगा।

शिंदे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, देश 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है कि और ठाणे जिला भी लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। जिले में सड़क, रेलवे और मेट्रो नेटवर्क को लेकर बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। हमारा यह जिला कृषि, उद्योग, सेवा और रोजगार समेत सभी क्षेत्रों में अग्रणी है। इस अवसरपर मंत्री आशीष शेलार तथा मंगल प्रभात लोढ़ा मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने इस पुल के साथ ही तीन 'इंटरचेंज' का भी उद्घाटन किया, जो वर्ली, प्रभादेवी, लोअर परेल और लोटस जंक्शन जैसे क्षेत्रों में जाने वाले वाहनों के लिए आवाजाही का साधन बनेंगे। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि कोस्टल रोड प्रतिदिन सुबह सात बजे से आधी रात तक वाहनों की आवाजाही के लिए खुली रहेगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, इसके साथ ही उत्तर की ओर जाने वाला पुल 27 जनवरी से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि उत्तर की ओर जाने वाले पुल के न होने पर उत्तर और दक्षिण की ओर जाने वाले यातायात को दक्षिण की ओर बने पुल पर भेजा जाता था, जिसे कुछ महीने पहले जनता के लिए खोला गया था। उत्तर की ओर जाने वाला पुल 827 मीटर लंबा है, जिसमें 699 मीटर समुद्र के ऊपर और 128 मीटर का पहुंच मार्ग है। महत्वाकांक्षी मुंबई कोस्टल रोड परियोजना को दक्षिण मुंबई से उत्तरी उपनगरों तक तेजी से पहुंच प्रदान करने के लिए चरणों में विकसित किया जा रहा है, जो नरीमन पॉइंट से दहिसर तक फैला हुआ है।

गिलियन बार सिंड्रोम के मरीज हुए 100 पार

पुणे.

गिलियन बार सिंड्रोम के मरीजों की संख्या पुणे में 100 को पार कर गई है। वहीं, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को एक मौत की भी जानकारी दी है, जिसकी वजह गिलियन बार सिंड्रोम हो सकती है। इधर, राज्य सरकार ने पुणे के कुछ इलाकों को लेकर ऐलान कर दिया है कि यहां के रहवासियों का इलाज मुफ्त किया जाएगा। खास बात है कि गिलियन बार सिंड्रोम का इलाज बहुत महंगा है।

रिपोर्ट के अनुसार, 28 और मरीजों में गिलियन बार सिंड्रोम की पुष्टि होने के साथ ही आंकड़ा 101 पर पहुंच गया है। वहीं, संदिग्ध मौत सोलापुर में हुई है। फिलहाल, 16 मरीज वेंटिलेटर पर हैं और 23 मामले ऐसे हैं, जहां मरीजों की उम्र 50 से 80 वर्ष की है। 9 जनवरी को अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों को पुणे क्लस्टर का पहला मामला माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, जांचों से पता चला है कि अस्पताल में भर्ती हुए कुछ मरीजों में कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी

बैक्टीरिया मिला है। कहा जा रहा है कि दुनियाभर के सभी गिलियन बार सिंड्रोम मामलों में से एक तिहाई की वजह सी जेजुनी है। साथ ही इसके चलते कई गंभीर संक्रमण भी हो रहे हैं। फिलहाल, अधिकारी खासतौर से उन इलाकों में पानी के नमूने जुटा रहे हैं, जहां मरीज बड़ी संख्या में मिल रहे हैं।

शनिवार को खड़कवासला बांध के पास एक कुएं में बैक्टीरियम ई कोली की मात्रा ज्यादा मिली, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इस कुएं का इस्तेमाल होता है या नहीं। रहवासियों से पानी को उबालकर पीने और भोजन को गर्म कर खाने की सलाह दी गई है। खबरें हैं कि इसके इलाज में उपयोग किए जाने वाले आईवीआईजी इंजेक्शन की कीमत 20 हजार रुपये है।

अखबार के अनुसार, 16 जनवरी को अस्पताल में भर्ती हुईं एक 68 साल की महिला के रिश्तेदार ने बताया है कि इलाज में कुल 13 इंजेक्शन का इस्तेमाल हुआ है।

रविवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, 'गिलियन बार सिंड्रोम के बारे में मुझे पता चला कि इस विशेष बीमारी का इलाज महंगा है, इसलिए मैंने जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की और नागरिकों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का फैसला किया। पिंपरी चिंचवाड़ जिले के प्रभावित लोगों का इलाज वायसीएम अस्पताल में किया जाएगा...।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुणे नगर निगम क्षेत्र के मरीजों का इलाज पुणे शहर के कमला नेहरू अस्पताल में किया जाएगा... नागरिकों के स्वास्थ्य का ख्याल रखना सरकार की जिम्मेदारी है... मुझे पता चला है कि इस विशेष बीमारी के इलाज के लिए इंजेक्शन बहुत महंगे हैं... इसलिए हमने आज ये दो फैसले लिए। मुंबई लौटने के बाद हम ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के लिए आगे के फैसले लेंगे, जिंका इलाज पुणे में सरकारी ससून अस्पताल में मुफ्त में किया जा सकता है...।'

एसटी किराया बढ़ोत्तरी के खिलाफ ठाकरे समूह आक्रामक

> अंबादास दानवे पुलिस हिरासत में

छत्रपति संभाजीनगर.

छत्रपति संभाजीनगर जिले में आज चक्काजाम आंदोलन किया गया. इस आंदोलन का नेतृत्व विपक्षी नेता अंबादास दानवे ने किया था। इन प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है.

राज्य की आम जनता एसटी निगम द्वारा बढ़ाए गए किराये को वहन नहीं कर सकती। दूसरी ओर आप बेतहाशा खर्च कर रहे हैं

और एसटी किराया बढ़ा रहे हैं? ये सवाल डेनवे ने उठाया था. अतः एसटी निगम द्वारा किराया वृद्धि को रद्द करना उचित होगा. दानवे ने यह भी कहा कि यह फैसला आम यात्रियों के साथ अन्याय होगा. अजित पवार भी वातावाडी के खिलाफ बोल रहे हैं. उन्होंने मांग की कि उन्हें किराया बढ़ोतरी रद्द करनी चाहिए क्योंकि वह वित्त मंत्री हैं. परिवहन मंत्री कह रहे हैं कि उन्हें किराया बढ़ोत्तरी की जानकारी नहीं है. तब दानवे ने आरोप लगाया था कि सरकार में कोई सामंजस्य नहीं है.

टिकट की कीमत में 14.97 फीसदी की बढ़ोत्तरी

महाराष्ट्र की जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है. उद्धव ठाकरे समूह का आरोप है कि एसटी निगम के किराए से आम नागरिकों की जेब पर ज्यादा दबाव पड़ेगा.

एसटी कॉर्पोरेशन ने टिकट किराया 14.97 फीसदी बढ़ाया है इसी विरोध में आज छत्रपति संभाजीनगर जिले में ठाकरे समूह की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया. पार्टी की ओर से यह भी जानकारी दी गई है कि कल पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा.

मंत्री सरनाईक को कोई जानकारी नहीं थी

उद्धव ठाकरे समूह ने आरोप लगाया है कि एसटी निगम की ओर से एसटी बसों के टिकट किराए में बढ़ोत्तरी के लिए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की गैरजिम्मेदारी जिम्मेदार है। जब उनसे इस संबंध में पूछताछ की गई तो उन्होंने दावा किया कि वटवाडी का फैसला अधिकारियों ने आपसी सहमति से लिया था. तो अगर एसटी किराया बढ़ोतरी लागू भी हो गई तो क्या परिवहन मंत्री को इसका साधारण अंदाज़ा भी नहीं था? ये सवाल उठाया है उद्धव ठाकरे गुट ने. यह बढ़ोत्तरी 25 तारीख की आधी रात से पूरे राज्य में लागू हो गई है.

आम यात्रियों की जेब पर तगड़ा झटका

एसटी कॉर्पोरेशन ने अपने प्रस्ताव में 14.95 फीसदी किराया बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव रखा था. जबकि मुंबई में ऑटोरिक्शा और टैक्सी किराया संघों ने 3 रुपये की बढ़ोत्तरी की मांग की थी। इस बढ़ोतरी के कारण ऑटोरिक्शा का न्यूनतम किराया 23 रुपये से बढ़कर 26 रुपये हो सकता है, जबकि टैक्सियों का न्यूनतम किराया 28 रुपये से बढ़कर 31 रुपये हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष-आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण लाभ लेकर आने वाला है। कारोबार में आपको अत्यधिक मेहनत की आवश्यकता होगी।

वृषभ -आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे।

कर्क -आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप संतान को किसी नई नौकरी के काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है,

सिंह- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार-चढ़ाव लेकर आने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर व्यस्तता अधिक रहेगी,

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको कोई फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम के सोर्सो को बढ़ाने वाला रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छी सफलता मिलती दिख रही है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको पारिवारिक मामलों को घर में ही सुलझाने की आवश्यकता है।

धनु -आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है। आपके खर्च बढ़ने से आपको समस्या नहीं आएंगी।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए परस्पर सहयोग की भावना लेकर आने वाला है। आपको अपने कामों के प्रति सावधान रहना होगा।

मीन-आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे,

मुंबई से दुबई एयर इंडिया की फ्लाइट में 5 घंटे कैद रहे यात्री

मुंबई.

मुंबई : एयरपोर्ट्स और फ्लाइट्स को लेकर इन दिनों लगातार परेशान करने वाली खबरें आ रही हैं। अब एक और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। घटना मुंबई से दुबई जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान में हुई। एआई 909 में सवार यात्रियों को बिना प्लेन में पांच घंटे तक कैद करके रखा गया। रोंगटे खड़ा कर देने वाली बात यह है कि इन पांच घंटे फ्लाइट के दरवाजे बंद कर दिए गए और अंदर एयर कंडीशन तक नहीं चल रहा था। कई यात्रियों के दम घुटने लगे तो कई को पैनिक अटैक तक पड़े। यात्री दरवाजा पीटते रहे लेकिन दरवाजा नहीं खुला। फ्लाइट को रविवार 26 जनवरी को सुबह मुंबई से स्थानीय समय (आईएसटी) 8:25 बजे प्रस्थान करना था। फ्लाइट को सुबह 10:15 बजे दुबई में लैंड

होना था। यात्रियों ने चेकइन किया और फ्लाइट में बैठ गए।

सुबह से शाम तक ऐसे ही फंसे रहे.

फ्लाइट के दरवाजे बंद कर दिए गए और यात्री उड़ान भरने का इंतजार करने लगे। काफी देर तक फ्लाइट ऐसे ही खड़ी रही। कहा जा रहा है कि एयर इंडिया के 787-8 विमान में तकनीकी खराबी के कारण यह उड़ान नहीं भर सकी। आखिरकार इस फ्लाइट ने मुंबई से शाम 5:10 बजे उड़ान भरी और शाम 6:29 बजे जीएसटी पर दुबई में सुरक्षित रूप से उतर गई।

कई यात्रियों का घुटने लगा दम

उड़ान में पांच घंटे से अधिक की देरी हुई। जैसे-जैसे केबिन के अंदर का तापमान बढ़ा, कई यात्रियों को घुटन महसूस होने लगी, कुछ को कथित तौर पर वातानुकूलन की कमी के कारण सांस लेने में परेशानी हो रही थी। बढ़ती परेशानी के बावजूद, यात्रियों का दावा है कि एयरलाइन के चालक दल ने कोई तत्काल राहत नहीं दी।

कैप्टन पर बरसे

विमान में सवार एक यात्रियों ने घटना के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। वीडियों में यात्रियों का डर और परेशानी साफ नजर आ रही है। एक यात्री ने दावा किया कि हंगामा होता रहा। यात्री घबराए रहे लेकिन कप्तान मुद्दे पर यात्रियों को दिलासा देने या बात करने के लिए कॉकपिट से बाहर तक नहीं आए।

चिल्लाए यात्री, किया हंगामा

वीडियो में यात्री हंगामा करते हुए नजर आ रहे हैं। वे दरवाजा पीट रहे हैं और चालक दल के सदस्यों से दरवाजा खोलने को कह रहे हैं। कुछ वीडियो में यात्रियों को केबिन क्रू के सदस्यों पर चिल्लाते हुए दिखाया गया है, जिनमें से एक ओवरहेड बिन को पीट रहा है। एक यात्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हमें आप पर भरोसा नहीं है। दरवाजा खोलो।

कार्यकारी दंडाधिकारी तथा नायब तहसिलदार, उपविभागीय कार्यालय नागपूर शहर यांचे कार्यालय, नागपूर शहर
Email : sdonagpur@gmail.com Phone No. 0712-2560048
क्र. अका/प्रस्तुत/उविदं/नागश/कावि. /२०२५
दिनांक १६/०३/२०२५

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, **५) मृनालीनी प्रेमकुमार मुन,** वय ... वर्ष यांचा अर्ज दिनांक १३/१२/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **मृनालीनी प्रेमकुमार मुन,** वय ... वर्ष, रा. धोबीपूरा, सदर, नागपूर यांनी आजीच्या **मृत्यूची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांनी त्यांची आजी नामे जाईबाई काशीनाथ मुन यांचा **मृत्यू दिनांक ०८/१२/१९९४** रोजी **सदर, नागपूर** येथे **राहत्या घरी** झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्यू** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी, तथा नायब तहसिलदार नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **मृत्यू** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह उपविभागीय दंडाधिकारी, नागपुर शहर यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यू** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **मृत्यू** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
कार्यकारी दंडाधिकारी तथा नायब तहसिलदार.
Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्यमान सुनिल साळवे
नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, जिल्हा नागपूर.
Email : www.tahsildarngpcity@gmail.com Phone No. 0712-2561975
क.ली/प्रस्तु- २/तह.नाग.(शहर)/प्र.क्र. ३५९/कावि- ४९/२०२४
दिनांक १३/०१/२०२५

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, दि. १५/१०/२०२३, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/२०२४, **६) वर्षा नितीन तवले, रा. बेझनबाग, नागपूर** यांचा अर्ज दिनांक ०५/१२/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **वर्षा नितीन तवले, रा. बेझनबाग, नागपूर** यांनी त्यांच्या मुलाच्या **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **यश नितीन तवले** याचा **जन्म** दिनांक १९/१०/२००७ रोजी राहत्या घरी झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २, ३, ४, व ५ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
(सुनिल साळवे)
नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर.
Prasanna Publicity 09326927622

सुविचार

लक्ष्य ऊंचा रखो, दृष्टि साफ रखो,
मंजिल अवश्य प्राप्त होगी।

संपादकीय

जीवन की गरिमा

मुंबई आतंकी हमले में इंसाफ का कठघरा

वर्ष 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमलों की याद आज भी दिल दहला जाती है। तब जो हुआ था, उसे दुनिया का सबसे बर्बर आतंकी हमला माना जा सकता है। उसके बाद उसमें शामिल आतंकवादियों को पकड़ने से लेकर सजा तक पहुंचाने को लेकर समूचे सरकारी तंत्र ने जितना संभव हो सका, किया। मगर अब भी कुछ ऐसे आतंकी देश के कानूनी दायरे से बाहर हैं, जो किसी तरह अन्य देशों में भाग गए, उन्हें वापस लाने के लिए वहां की कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा था। भारत हर स्तर पर उन अपराधियों को सजा दिलाने की कोशिश करता रहा है। मुंबई हमले के एक अभियुक्त तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जाने की मांग उनमें से एक थी। तहव्वुर राणा इस मांग का विरोध कर रहा था और उसने अमेरीकी सुप्रीम कोर्ट में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। मगर अब राणा की भारत को प्रत्यर्पित करने संबंधी पुनर्विचार याचिका को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस तरह राणा को भारत लाकर उस पर कानूनी प्रक्रिया चलाने का रास्ता साफ हो गया है।

मुंबई हमले में जिनके परिजन मारे गए थे, उनकी पीड़ा जगजाहिर है। अजमल कसाब को उसके किए की सजा मिल चुकी है। हमले का एक आरोपी पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा अभी अमेरिका की जेल में है। दरअसल, राणा को अपने दोस्त डेविड कोलमैन हेडली के साथ मुंबई हमले में भागीदारी करने और इसके बाद डेनमार्क में आतंकी हमले की योजना बनाने का दोषी पाया गया था। लेकिन मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों के संदर्भ में उसकी भूमिका के मद्देनजर भारत अपनी अदालत में उस पर मामला चलाना चाहता है।

यह भी सच है कि हमले के बाद इतना लंबे वक्त तक अगर उसे भारत लाकर मुकदमा चलाना संभव नहीं हो पाया, तो उसकी वजह यही होगी कि समय पर कूटनीतिक पहल नहीं हुई। अब अगर उसके भारत में प्रत्यर्पण की स्थिति बनी है तो सरकार को कोई अन्य और नई अड़चन खड़ी होने से पहले उसे भारत लाकर कानून के कठघरे में खड़ा करना चाहिए और शीघ्र इंसाफ सुनिश्चित करना चाहिए।

जेडीयू के लिए क्यों जरूरी हो गए हैं निशांत कुमार

संयम श्रीवास्तव

पिछले एक साल से जेडीयू के अंदर बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के एंट्री की चर्चा चल रही है. पार्टी के अंदर काफी दिनों से निशांत कुमार को शामिल करने और नहीं करने को लेकर माथापच्ची चलती रही है. कार्यकर्ता निशांत कुमार को लाने की डिमांड करते रहे हैं तो वरिष्ठ नेता इसे खारिज करते रहे हैं. इस बीच 8 जनवरी को, 48 वर्षीय निशांत, जो अब तक पर्दे के पीछे रहे हैं, अपने पिता के साथ उनके गृह नगर बख्तियारपुर गए थे, जहां स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों का अनावरण किया गया. इस कार्यक्रम के दौरान, अपने पिता से कुछ कदम की दूरी पर खड़े होकर उन्होंने पत्रकारों से कहा, अगर संभव हो, तो जेडीयू और मेरे पिता को वोट दें और उन्हें फिर से वापस लाएं. निशांत कुमार का यह बोलना ही जेडी यू में उनकी एंट्री का आधार माना जा रहा है. पर सवाल उठता है कि बिहार विधानसभा चुनावों से पहले क्या वास्तव में निशांत कुमार आ रहे हैं. जेडीयू और नीतीश कुमार जो वंशवाद की राजनीति के घोर विरोधी रहे हैं अचानक अपने सिद्धांतों के खिलाफ क्या निशांत कुमार को सक्रिय राजनीति में लाएंगे ?

विधानसभा चुनावों से पहले अचानक जेडीयू शायद अपनी पार्टी में एक राजनीतिक उत्तराधिकारी का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट को सही माने तो निशांत कुमार होली के बाद सक्रिय राजनीति में शामिल हो सकते हैं. जेडीयू के एक करीबी सूत्र के हवाले से अखबार लिखता है कि निशांत राजनीति में आने के लिए तैयार लग रहे हैं. यह सिर्फ नीतीश कुमार से हरी झंडी मिलने की बात है. पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से निशांत के राजनीति में आने की लगातार बढ़ती मांग की जानकारी नीतीश कुमार को दी गई है.

दरअसल बख्तियारपुर में जेडीयू के लिए निशांत की पहली सार्वजनिक अपील थी. इससे पहले, वह आखिरी बार 2015 में अपने पिता के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राजनीतिक मंच पर दिखाई दिए थे. इस कार्यक्रम के एक हफ्ते बाद जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने निशांत के राजनीति में आने को लेकर संकेत दिए. श्रवण कुमार ने कहा कि हम उनके बयान का स्वागत करते हैं. उन्हें मौजूदा सरकार की अच्छी समझ है. जब उनसे पूछा गया कि क्या निशांत को राजनीति में आना चाहिए, तो उन्होंने कहा, बिलकुल. ऐसे प्रगतिशील विचारों वाले युवाओं का राजनीति में स्वागत है. फैसला सही समय पर लिया जाएगा.

पिछले एक साल से नीतीश कुमार को जो लोग बहुत नजदीक से देख रहे हैं उन्हें पता है कि उनके स्वास्थ्य पर उनका उम्र हावी होने लगा है. नीतीश कुमार जिस तरह बीमार दिखने लगे हैं उससे पार्टी और उनके शुभेच्छुओं को चिंता होने लगी है. वे केवल कमजोर ही नहीं लग रहे हैं बल्कि कई कई बार कही हुई बातें भी भूल जाते हैं.क्षेत्रीय पार्टियों की तकदीर यही होती है कि उनका नेता अपने प्रदेश के लिए लिविंग लिजेंड हो जाता है. पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीवित किवदंति बन चुके अपने नेता के रहते हुए एक और नेता चुनने का दबाव होता है. जाहिर है कि यह बहुत कठिन दौर होता है. पार्टी के क्षत्रप एक दूसरे को बर्दाश्त करने की हालत में नहीं होते हैं.इसलिए विरासत संभाल सकने लायक योग्य नेतृत्व केवल लिविंग लीजेंड के खून के संबंधों में ही दिखता है. इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि नीतीश कुमार के कमजोर पड़ते ही शुरू होने वाले पावर स्ट्रगल को रोकने के लिए जेडीयू में भी निशांत कुमार सर्वोत्तम साबित होंगे.

पर जब पार्टी के फाउंडर का कोई ब्लड रिलेशन वाला शख्स नेता बनता है तो सारे गुट उसकी अधीनता स्वीकार करने में संकोच नहीं करते हैं. यही कारण रहा कि वंशवादी पार्टियों में जब कोई परिवार का आदमी नेतृत्व करता है तो चाहे वो जैसा हो विद्रोह या संघर्ष की स्थिति अपेक्षाकृत कम पैदा होती है.

कहानी

सबसे बड़ी खुशी

विजय शंकर विकुज

सन्नाटा था कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा था। हां, उसकी बोझिलता घर में सभी महसूस कर रहे थे। सन्नाटे ने दिल और दिमाग को जैसे एक साथ जकड़ लिया था जिससे मन के मवाद का फूटकर बह निकलने की बेचैनी और बढ़ती जा रही थी। इस बेचैनी को जहां ममता अपने अंदर महसूस कर रही थी, वहीं नरेन्द्र भी अपने अंदर की छटपटाहट से कुलबुला रहा था।

खामोशी तो कोई धारण करने वाली चीज नहीं है मगर स्थितियां ही कुछ ऐसी बन गई थीं जिसने एक साथ सबको अपनी जकड़ में ले लिया था। नरेन्द्र उबाल मारने वाली खामोशी को ओढ़े चुप्पी साधे हुए था। ममता स्वयं भी पहल नहीं करती तो वह क्या करे ? बच्चों से भी बातचीत कम हो गई है। बच्चे भी अपने माता-पिता की संवादहीनता का कारण समझ नहीं पा रहे थे इसलिए उनके दौरान भी खामोशी घुलती हुई गहरी होती जा रही थी। ममता और नरेन्द्र के बीच बातचीत बंद होना पूरे घर के वातावरण पर भारी पड़ रहा था।

अकेले होने पर जब ममता नरेन्द्र के व्यवहार के बारे में सोचने लगती तो उसकी आंखों में मोतियों की बूंदें झिलमिला उठतीं। अंदर एक हूक-सी उठती तो उसे लगता कि कहीं सैलाब न फूट पड़े। और वह तुरंत साड़ी के पल्लू से उन मोतियों को पोंछकर अपने काम में लग जाती। दूसरी ओर नरेन्द्र स्वयं को कभी पत्र-पत्रिकाओं में बांटने लगता तो कभी सिगरेट पर सिगरेट पीते हुए कड़वे धुंए के साथ मौन दर्द को उगलने लगता। मगर चुप्पी थी कि अपनी जगह जमी हुई थी।

उन दोनों के बीच यह फासले की स्थिति चार-पांच दिन पहले पैदा हुई थी जब ममता ने नरेन्द्र से कहा था कि इस बार वह एबार्शन करवा लेगी। तीन बच्चे हैं, अब और नहीं चाहिये। इन्हीं तीनों में घर संभालना कठिन हो जाता है। चौथा आयेगा तो समस्याएं और बढ़ जायेंगी। इन तीनों का ही भविष्य ठीक तरह से संवारा जाये तो वह बहुत होगा। इसलिए वह अब इस अनचाहे चौथे गर्भ से छुटकारा पाना चाहती है, तथा आगे कोई बच्चा ने हो, उसका ऑपरेशन भी करवा लेगी।

उसके सुझाव पर नरेन्द्र कुढ़ गया था, तीसरे के समय ही ऑपरेशन करवा लिया जाता तो अच्छा रहता। अब चौथा ईश्वर ने हमारे सिर मढ़ दिया है तो उसे नष्ट करना उसकी हत्या करना होगा। मैं यह होने नहीं दूंगा। नरेन्द्र की बातों से ममता चिढ़ गई थी, तुम्हारे दकियानूसी ख्याल को मैं नहीं मानने वाली। आखिर बच्चा गिराना हत्या जैसी बात कैसे हुई ? ममता की बात से नरेन्द्र के अहं को चोट लगी। वह भीतर ही भीतर तिलमिला उठा और फिर उन दोनों के दरम्यान समस्या को सुलझाने की बातचीत बहस में तब्दील हो गई। ममता जहां भविष्य की सोचते हुए बच्चा गिराने के पक्ष में थी वहीं नरेन्द्र उसके सुझाव को किसी तरह मानने को तैयार नहीं था। बात के बतंगड़ ने पूरे घर के माहौल को बेहद बोझिल बना दिया था।

उस दिन से उन दोनों के बीच नाराजगी और चुप्पी ने अपनी जगह बना ली थी। दोनों एक दूसरे से किसी भी बात के लिए कतराना चाहते थे मगर समस्या अपनी जगह थी जो उनकी आंखों से झांकती रहती तो चेहरे पर अपना प्रभाव अलग छोड़ती। जब तक समस्या से समाधान न हो, तब तक आदमी में एक व्यग्रता हमेशा ही सक्रिय रहती है। यही उन दोनों के साथ हो रहा था। उनकी बातचीत बंद होने की स्थिति ने तीनों बच्चों को भी गंभीर बना दिया था। उनकी चंचलता पर जैसे ग्रहण-सा लग गया था। नरेन्द्र और ममता बच्चों की मानसिक स्थिति को समझ रहे थे लेकिन अपने आप से मजबूर थे।

नरेन्द्र बच्चों को अपने पास बुलाकर उनसे बातचीत करता, उन्हें हंसाने की कोशिश करता, उनके साथ खेलना चाहता पर मां-बाप के बीच संवादहीनता की स्थिति के कारण बच्चे पहले जैसा सहज नहीं हो पा रहे थे। यही स्थिति ममता के साथ थी। मां होने के बावजूद घर में उत्पन्न स्थिति के कारण वह भी बच्चों में सहज नहीं हो पा रही थी। मां-बाप का मनमुटाव बच्चों पर सबसे अधिक प्रभाव डालता है। आखिर घर की किसी भी स्थिति का असर उन पर भी तो होता है। बड़े लड़के राहुल की उम्र आठ साल हो गयी थी और वह रिश्तों की संवेदनशीलता को अच्छी तरह समझने लगा था। कई दिन ऐसे हालात को झेलते हुए उससे नहीं रहा गया तो पांचवे दिन जब ममता रसोईघर में थी, राहुल ने आकर पूछ लिया, ' मम्मी, आप और पापा आपस में बात क्यों नहीं करते ? '

लघु कथा

डॉ. खरे

चालान

"युवाओं में नैतिकता" विषय पर अपने महाविद्यालय में प्रभावशाली व्याख्यान देकर प्रोफेसर देवकुमार अपनी नई कार से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में पड़ने वाले मार्केट में उन्हें मेडिकल शॉप से कुछ दवायें लेना थीं। उन्होंने दवा की दुकान के ठीक सामने "नो पार्किंग जोन" में अपनी कार खड़ी की, यह सोचकर कि दो सौ-तीन सौ मीटर दूर ' पार्किंग ' में जाकर कार लगाकर, वापस मेडिकल शॉप तक आने में न केवल धूप में चलना पड़ेगा, बल्कि पन्द्रह मिनट समय भी आने-जाने में जाया होगा. प्रोफेसर देव तेज कदमों से चलते हुए दवा-दुकान गये और दवा लेकर तीन-चार मिनट में वापस कार तक आ गये। लेकिन तब तक ट्रेफिक-पुलिस ने उनकी कार के अगले पहिये पर ताला लगा दिया था. प्रोफेसर देव के पहुँचते ही उसने तीन सौ रूपये का चालान काट दिया. प्रोफेसर देव को बहुत गुस्सा आ गया. उन्होंने ट्रेफिक कांस्टेबिल को चेतावनी के लहजे में कहा- " मैं कालेज में प्रोफेसर हूँ, मुझे सभी ट्रैफिक-रूल्स पता हैं, मैं आपके पुलिस अधीक्षक चौहान साहब को अच्छी तरह जानता हूँ। वे मेरे मित्र हैं और कालेज में ट्रेफिक रूल्स पर व्याख्यान देने मैं बुलाता रहता हूँ । मैं बमुश्किल एक मिनट के लिए कार खड़ी करके दवा लेने गया था। आप अपना चालान वापस रखें और मुझे जाने दें।"ट्रैफिक कांस्टेबिल विनम्रता से बोला- " मैंने माइक से दो-तीन बार आपकी गाड़ी का नम्बर बोला था, कि नो-पार्किंग जोन से कार हटायें। दो मिनट तक किसी के नहीं आने पर मैंने व्हील लॉक कराया. आप प्रोफेसर हैं और स्वयं कह रहे हैं कि अपने कालेज के विद्यार्थियों के लिए 'ट्रैफिक-रूल्स' पर सेमीनार आयोजित करते रहते हैं, तो विद्यार्थियों से नियमों के पालन की अपेक्षा रखने के पहले, स्वयं अपने आप पर नियम लागू करने होंगे । नियम सभी के लिए एक समान हैं। नो-पार्किंग जोन में कार खड़ी करना नियम विरूद्ध है, भले ही आपने एक मिनट के लिये खड़ी की हो या पांच मिनट के लिए । शिक्षकों- प्राध्यापकों को "रोल-मॉडल" बनना होगा, तभी विद्यार्थियों में नैतिकता आयेगी, भाषणों और सेमिनारों से नहीं।"

वास्तुशास्त्र

बेडरूम की नेगेटिव एनर्जी कैसे करें कम?

फेंग शुई चीनी वास्तु शास्त्र है। घर के किसी भी कोने में नेगेटिव एनर्जी मौजूद हो तो उसका प्रभाव जीवन पर भी देखने को मिलता है। ज्यादातर समय हम अपने बेडरूम में बिताते हैं। बेडरूम की नेगेटिव एनर्जी शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रभावित कर सकती है। फेंग शुई विद्या में कई उपाय बताए गए हैं, जिनकी मदद से न केवल आप अपने बेडरूम को एस्थेटिक लुक दे सकते हैं बल्कि नेगेटिव एनर्जी का प्रभाव भी कम कर सकते हैं। आइए जानते हैं फेंग शुई शास्त्र के अनुसार, बेडरूम की नेगेटिव एनर्जी कैसे कम कर सकते हैं- बेडरूम को हमेशा उत्तर या उत्तर पश्चिम दिशा में ही बनवाना चाहिए। ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच का बंद स्ट्रांग होता है। घर में मुरझाए पौधे रखना शुभ नहीं माना जाता है। वहीं, बेडरूम में सूखे हुए कां टेदार पौधे नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नेगेटिव एनर्जी प्रवेश करती है।

ज्यादातर लोग अपने बेडरूम को एस्थेटिक लुक देने के लिए तस्वीरें लगाते हैं। बेडरूम में युद्ध की तस्वीर लगाने से पति-पत्नी के बीच झगड़ा बढ़ सकता है। वहीं, उदास चेहरे वाली तस्वीर भी बेडरूम में नहीं लगानी चाहिए। इससे नेगेटिव एनर्जी बढ़ती है। बेडरूम में सही दिशा में बेड होना जरूरी है। सोते समय सिर दक्षिण या पूर्वी दिशा में होना अच्छा माना जाता है।

फेंग शुई शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में हल्के रंगों का इस्तेमाल करना शुभ माना जाता है। वहीं, लाल या काले रंग का इस्तेमाल बेडरूम में करने से पति-पत्नी के बीच वाद-विवाद की स्थिति बढ़ सकती है।

फेंग शुई शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में पानी का फव्वारा या फाउंटेन रखना शुभ नहीं माना जाता है।बेडरूम में बेड के सामने आइना रखना शुभ नहीं माना जाता है। कहते हैं सोते समय आइने में परछाई नहीं दिखनी चाहिए।

घर में लगाएं क्रासुला का पौधा

घर के आसपास के वातावरण को शुद्ध और सकारात्मक रखने के लिए पौधे लगाने बेहद लाभकारी माना गया है।

फेंगशुई के अनुसार, कुछ पौधे लगाने से घर की पॉजिटिविटी बढ़ने के साथ जीवन में धन, सुख-समृद्धि और खुशियों का आगमन होता है। इनमें से एक पौधा है क्रासूला। इसे जेड प्लांट, लकी प्लांट और मनी प्लांट के नाम से भी जाना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, यह पौधा नेगेटिविटी दूर करने के साथ घर में बरकत भी लाता है। आदमनी में इजाफा होता है। ऐसा कहा जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से तनाव से मुक्ति मिलती है और मानसिक शांति भी मिलती है। रिश्तों में मिठास आती है और पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है, लेकिन फेंगशुई में क्रासुला का पौधा लगाने के कुछ नियम बताए गए हैं।

आलेख

धरती का कर्ज चुकाएं

दीपक आचार्य

अन्न देने वाला अन्नदाता हम सभी के लिए जीवन की पहली प्राथमिकता में होना चाहिए और सदैव उसके लिए हमारी सोच बनी रहनी चाहिए. अन्न हमारे जीवन का आधार है और उसे पैदा करने वाला अन्नदाता हमारे लिए धरती पर ईश्वर का प्रतिनिधि है। वो न हो तो हमारा अस्तित्व भी न हो।लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हम सभी अन्नदाता को उतना सम्मान, सम्बल और प्रोत्साहन नहीं दे पाए हैं जितना अपेक्षित था।

शहरीकरण और आधुनिक सभ्यताओं के सीमेंट-कंकरीट जंगल में भटकते हुए और आलीशान भवनों में रहते हुए हम खेती-बाड़ी के बारे में उतना भी सामान्य ज्ञान नहीं रखते जितना एक अनपढ़ आदमी रखता है।हम सारे के सारे भोग पा रहे हैं, चटखारे ले लेकर सभी तरह के स्वाद लेने में कहीं पीछे नहीं रहते। हममें से काफी सारे लोग खाने के लिए ही जी रहे हैं।जिस अन्न का स्वाद पाकर हम अपने शरीर को जिन्दा रखे हुए हैं उसका उत्पादन करने वाले अन्नदाता के प्रति हमारी जानकारी और सामान्य ज्ञान का अभाव है।

भयानक शहरीकरण के दौर से गुजरते हुए हमने अन्नदाता की ओर दृष्टि डालने की कभी फुर्सत नहीं पायी, न ही कोई जिज्ञासा ही प्रकट की है। परंपरागत कृषि क्षेत्र के भरोसे ही भारत के अधिकांश लोगों की आजीविका का निर्वाह हो रहा है और ऐसे में हम सभी का फर्ज है कि देश के अन्नदाताओं का ध्यान रखें।

उनके अभावों और समस्याओं को जानें तथा इनके निराकरण में हरसंभव भागीदारी निभाएं।अन्नदाताओं के महत्त्व को स्वीकारें, उनका आदर करें और यह प्रयास करें कि हमारे किसान सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनें। देश का अन्नदाता जितना अधिक सक्षम और उन्नत होगा, उतने हम आत्मनिर्भर होंगे और उसी अनुपात में हमारा देश समृद्ध व सबल होगा।

दिन-रात कड़ी मेहनत, समर्पण और निष्ठा से हमारे कृषक जो कुछ कर रहे हैं उसका कोई सानी नहीं है। हम लोग बौद्धिक गलियारों और फाईलों के जंगल में किस तरह काम करते हैं, हमारी क्या उपादेयता है और हम क्या कुछ कर रहे हैं, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। असल में जो लोग खेतों में काम करते हैं, वे किस प्रकार गरीबी और विषमताओं में जीते हैं, यह सब हम नहीं जानते। हम एकाध बार अपने कामों की तुलना किसी किसान से करके देख लें तो हमारी आत्मा साफ-साफ कह उठेगी कि हम कितने पानी में हैं, कितने परिश्रमी और कर्म के प्रति निष्ठावान हैं।

खेती-बाड़ी के मामले में विदेशों के प्रयोग हमारे यहां कितने सार्थक हो रहे हैं, यह हम सभी जानते हैं।

आज हमारी पहली जरूरत किसानों को सक्षम बनाने की है। हालांकि इस दिशा में चौतरफा प्रयास जारी हैं। हाल ही हुई असामयिक बारिश और ओलावृष्टि ने हमारे अन्नदाताओं को सबसे ज्यादा परेशान कर दिया है, खड़ी फसलें धराशायी हो गई हैं, हर तरफ इतना अधिक नुकसान हुआ है कि कुछ कहा नहीं जा सकता।अन्नदाताओं पर आज संकट आन पड़ा है। इस मुश्किल घड़ी में हम सभी का पहला और अपरिहार्य फर्ज यही है कि हमारे अन्नदाताओं की पीड़ा को समझें, उनके अभावों को दूर करने में अपनी सहभागिता निभाएं ।जो कुछ होना था हो गया, प्रकृति की मार झेल रहे किसानों का सामान्य जीवन किस प्रकार बहाल किया जाए, उस दिशा में सोचना और हरसंभव मदद करना आज की हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में है और इससे हम मुँह नहीं मोड़ सकते।खराबे का रोना रोने और किसी को भला-बुरा कहने से कुछ नहीं होने वाला। प्राकृतिक प्रकोप से घिरे अन्नदाताओं के लिए आज ईमानदारी से प्रयास करने की जरूरत है।

राज अपनी ओर से भरपूर प्रयासों में जुटा हुआ है, पूरी संवेदनशीलता दर्शाते हुए काफी सारी राहत भरी घोषणाएं भी की गई हैं, जिम्मेदार लोगों की दिन-रात भागदौड़ किसानों के घर-खेत-आँगन तक हो रही है।

इन हालातों में हम सभी को चाहिए किसी को भी दोष दिए बगैर सकारात्मक चिंतन रखते हुए प्रभावितों को तात्कालिक मदद मुहैया कराने और उनकी सामान्य जिन्दगी बहाल करने की दिशा में खुद की भूमिकाएं तय करें और निष्काम भाव से आगे आएं।

लघुकथा

कैलास चन्द्र

लड़की जो राजकुमारी नहीं थी

इस क़िस्से की शुरूआत एक लड़की से होती है जो राजकुमारी नहीं थी। पुराने क़िस्सों की शुरूआत एक था राजा से होती थी। ज़िन्दगी चाहे जिस ढर्रे पर चले परन्तु इन क़िस्सों का स्वरूप नहीं बदला। वही का वही। ज़िन्दगी की कशमकश और पागल भागदौड़ में हालाँकि आज क़िस्सागो बहुत कम रह गये हैं और क़िस्सा सुनने वाले उनसे भी कम, फुरसत किसके पास है आज। यह सही है कि आज यथार्थ हद दरजे तक क्रूर और आतताई हो गया है। पर क़िस्सों का रस नहीं सूखा है, वही पुराना अंदाज आज भी कायम है और क़िस्सों की डुबो देने वाली तासीर वैसी की वैसी मौजूद है। तो जैसे किसी पुराने क़िस्से में एक राजकुमारी है- परम रूपवती और उसके सोने जैसे केश हैं और चन्द्रमा की तरह दमकता मुखड़ा है उसका और हमारे मुहल्ले में जो एक लड़की रहती है। पढ़ने-लिखने में जहीन है, मेकअप हीन, इसके बावजूद सुंदर-सलोनी। देखिये मैं क़िस्से के रस में यथार्थ या सच की कड़ुवाहट घोलने लग गया हूँ। पर करूँ क्या मुझे लिखनी है यथार्थ की कहानी। अब चाहे जैसा घालमेल हो। तो सबसे पहले क़िस्से की बात. राजकुमारी सयानी हुई तो उसके रूप की सुगंध उड़ने लगी। यौवन की दहलीज पर धूप सी चढ़ती राजकुमारी के ब्याह कि चिन्ता राजा को सताने लगी। पर उसकी यह चिन्ता किसी मध्यमवर्गीय पिता की चिन्ता से एकदम अलग और विलक्षण है। इसके लिये राजा ने एक स्वयंवर रचाया। दूर-दूर तक स्वयंवर के न्यौते भेजे गये। राजा ने स्वयंवर में जो परीक्षा रखी वह बहुत कठोर थी और असम्भव की सीमा छूती थी। सात नर्तकियाँ सिर पर मटकियाँ लिये एक गोल दायरे में घूमती हैं, कंदुक के एक ही प्रहार से सातों मटकियों को फोड़ना है। परीक्षा में सफल होने की यही योग्यता है। पखवारे भर से चलते स्वयंवर में अभी तक परिणाम नहीं आया है। राजकुमारी वैसी ही बैठी है अनब्याही, अक्षत अपनी क्ंवारी कल्पनाओं और अनुभूतियों के साथ।

धरती पर एक दूसरा देश भी है जहाँ का राजकुमार परियों के सपने देखा करता है। वह परियों की राजकुमारी से ब्याह करना चाहता है। एक रात सपने में उसकी भेंट परियों की राजकुमारी से हो गई। उसे देखकर राजकुमार उससे ब्याह करने के लिये मचल गया। तब परियों की राजकुमारी ने उसे समझाया कि विधान के अनुसार कोई परी मनुष्य से ब्याह नहीं कर सकती। इस पर राजकुमार दुखी हो गया। परियों की राजकुमारी ने तब उस देश की राजकुमारी का पता बताया जिसका ज़िक्र ऊपर किया गया है। उसने बताया कि उस देश की राजकुमारी उससे भी अधिक रूपवती है और इस समय उसका स्वयंवर वहाँ चल रहा है। परियों की राजकुमारी ने इतना बताने के बाद अपने इन्द्रधनुषी केशों से सात बाल तोड़े और उसी रंग की सात डिबियों में एक-एक बाल बंद कर दिया। उसे हिदायत दी कि एक डिबिया खोलकर एक रंग का बाल जला देना तो उसी रंग की पोशाक, उसी रंग का सजा-सजाया घोड़ा, म्यान-तलवार, कंदुक पल भर में हाजिर हो जायेंगे। सुबह जब राजकुमार जागा तो उसने अपने सिरहाने सात डिबियों को रखा पाया। उसे परियों की राजकुमारी की बातों पर विश्वास जम गया।

अगले ही दिन राजकुमार अपने सबसे तेज़ घोड़े पर सवार होकर सफ़र पर निकल पड़ा। पवन वेग से अपना घोड़ा दौड़ाते राजकुमार तीसरे दिन अभीष्ट राज्य में पहुँच गया। वहाँ सचमुच राजकुमारी का स्वयंवर चल रहा था। एक दिन राजकुमार ने विश्राम किया। अगले दिन उसने स्वयंवर में भाग लेने का निश्चय कर लिया।

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M)
C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS
NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD,
M.I.S.R (Mum), C.C.H,
C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस,
पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 28 जनवरी 2025

नाना-नानी पार्क बनेगा खुशियों का केंद्रः मुनगंटीवार

> मुनगंटीवार की पहल से पार्क का निर्माण

> पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को पौधे लगाये

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर में नाना-नानी पार्क पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही महाराष्ट्र राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार का मानना है कि यह एक ऐसा केंद्र होगा जो बच्चों के चेहरे पर खुशी लाएगा।

वे चंद्रपुर में वन विभाग द्वारा आयोजित नाना-नानी पार्क के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पालकमंत्री प्रो. डॉ. अशोक उइके, विधायक किशोर जोरगेवार, जिलाधिकारी विनय गौड़ा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक जॉनसन, वन संरक्षक पीयूषा जगताप, वन संरक्षक प्रशांत खाड़े, लॉयड्स मेटल्स के मधुर गुप्ता, तुलसी गुप्ता, डॉ. मंगेश गुलवाड़े, प्रकाश देवतले, मनोज पाल, प्रदीप किरमिरे सहित क्षेत्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

नाना-नानी पार्क के लिए दो करोड़ रुपए मंजूर करने की पहल सुधीर मुनगंटीवार ने की. इस पार्क के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के दौरान मुनगंटीवार ने संतोष व्यक्त किया.

आगे बोलते हुए विधायक मुनगंटीवार ने कहा कि, जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग में पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए हम चंद्रपुर जिले में मिलकर काम कर रहे हैं। यहीं से बॉटनिकल गार्डन, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई स्टेडियम, एपीजे अब्दुल कलाम पार्क का निर्माण हुआ। हमें खुशी है कि नाना-नानी पार्क को अब इस काम से जोड़ा जा रहा है। चंद्रपुर शहर में 15 पार्क बनाये गये हैं. ये सभी पार्क शहर में सांस लेने की जगह बन रहे हैं। जैसे-जैसे शहर तेजी से आगे बढ़ रहा है, हर किसी को शहर को पारिस्थितिक रूप से विकसित करने के लिए आगे आने की जरूरत है। 'चंद्रपुर के लिए सागर' और 'जलवायु परिवर्तन के लिए सागर' का प्रमुख केंद्र बनने के उद्देश्य से चंद्रपुर में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रपुर का नाम वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के सामने वृक्षारोपण और संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारा मानना है कि यह पार्क परिवारों के लिए एक निश्चित आनंद केंद्र बन जाएगा। इस अवसर पर सुधीर मुनगंटीवार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी से पौधे लगाने की भी अपील की।

भ्रष्टाचारी वनरक्षक नरेंद्र तोकलवार की संपत्ति की जांच करेगा एसीबी विभाग

गढ़चिरोली:

जिले में हाल ही में कई स्थानों पर रेत तस्करी आम हो गई है। संबंधित बीट के वनकर्मी वन क्षेत्र से गुजरने वाले रेत ट्रकों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। दो दिन पहले एसीबी की टीम ने पुराडा वन रेंज कार्यालय के कोहका उपक्षेत्र के वनरक्षक नरेंद्र तोकलवार को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा था। अब उनकी संपत्ति की भी जांच की जाएगी। इसके साथ ही यह भी पता चला है कि रिश्वतखोरी में शामिल होने के संदेह में कई लोग एसीबी के रडार पर हैं।

वनपाल नरेंद्र तोकलवार ने रेत परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर के खिलाफ कार्रवाई से बचने के लिए संबंधित व्यक्ति से 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। समझौता होने के बाद उन्होंने 20 हजार रुपए स्वीकार कर लिए। लेकिन चूंकि एसीबी टीम को इस बारे में पहले ही शिकायत मिल चुकी थी, इसलिए उन्होंने कार्रवाई करते हुए तोकलवार को हिरासत में ले लिया।

जिले के कई हिस्सों से बहने वाली नदियों से रेत निकालकर रात में परिवहन किया जाता है। जिस वन विभाग के क्षेत्र से यह रेत परिवहन किया जाता है, उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ राजस्व विभाग के कुछ कनिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी इसमें संलिप्त हैं। जहां यह सारा भ्रष्टाचार बेरोकटोक चल रहा है, वहीं भ्रष्टाचार निरोधक विभाग भी एक्शन मोड में आ गया है।

गढ़चिरोली से वडसा रेलवे परियोजनाः पूर्व सासंद अशोक नेते ने कार्यों का निरीक्षण एवं समीक्षा की

गढ़चिरोली:

गढ़चिरोली से वडसा रेलवे लाइन परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने और परियोजना में तेजी लाने के लिए भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री तथा पूर्व सासंद अशोक नेते ने आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस महत्वाकांक्षी परियोजना स्थल का दौरा किया, उन्होंने गोगांव, साखरा एवं पोरला के साइट पर चल रहे कार्योंका निरीक्षण कर कार्य की स्थिति जानी एवं चर्चा कर उन्होंने परियोजना से जुड़े अधिकारियों को आगे के दिशात्मक उपाय सुझाये.

गढ़चिरौली से वडसा रेलवे परियोजना को जिले के आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने वाला माना जाता है। इस परियोजना से परिवहन व्यवस्था में सुधार होगा और रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। गढ़चिरौली के सुदूर इलाकों के विकास में यह रेलवे बड़ा योगदान देगी. पूर्व सासंद अशोक नेते के ही अथक प्रयासों से यह परियोजना गढ़चिरौली के लिए विकास का नया द्वार बन रही है। लेकिन, बरसात के मौसम के बाद से ही करीब चार माह और अन्य तकनीकी कारणों से इस प्रोजेक्ट का काम बंद है. इस निरीक्षण के दौरान अशोक नेते ने रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रेलवे परियोजना के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की. उन्होंने परियोजना को गति देने के लिए शासन स्तर पर कार्रवाई करने का वादा किया। इस अवसर पर जिला महासचिव प्रकाश गेडाम, एडवोकेट. संदीप धाईत, रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर आरपी सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर अरुण जैन, ठेकेदार जैनल और स्थानीय पत्रकार कैलास शर्मा मौजूद थे।

इस मौके पर अशोक नेते ने कहा की, "गढ़चिरौली-वडसा रेलवे परियोजना जिले के समग्र विकास की रीढ़ होगी। इस परियोजना से जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, परिवहन प्रणाली में क्रांति आएगी और स्थानीय किसान लोगों को भी अच्छी फसल मिलेगी।

इसलिए, परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सभी का सहयोग करना आवश्यक है, गढ़चिरौली-वडसा रेलवे परियोजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक मानी जाती है। इस प्रोजेक्ट के लिए अशोक नेते का नेतृत्व और प्रयास विशेष चर्चा का विषय है और अनुमान है कि इस दौरे से प्रोजेक्ट के काम को नई गति मिलेगी.

संघर्ष युवा विकास मंडल के एक्यूप्रेशर शिविर से सैकड़ों रोगियों को लाभ

चंद्रपुर.

पिछले 24 वर्षों से जिले में सामाजिक , शैक्षणिक , कीट, पर्यावरण , कृषि , भूमि अधिग्रहण क्षेत्र में कार्य कर रहे संघर्ष युवा विकास मंडल ने मंडल का रजत जयंती वर्ष मनाया । 20 जनवरी से 25 जनवरी 2025 तक जिला परिषद प्राइमरी स्कूल साखरी (वाघोबा) में 6 दिवसीय एक्यूप्रेशर थेरेपी शिविर का आयोजन किया गया ।

एक्यूप्रेशर थेरेपी शिविर का उद्घाटन के अवसर पर पौनी -2 उपक्षेत्रीय प्रबंधक प्रसाद , खनन प्रबंधक सोलंकी , सुरेश गिलोरकर, प्राचार्य जिला परिषद स्कूल साखरी , मोरेश्वर थिपे प्राचार्य प्रियदर्शिनी विद्यालय साखरी , वंदना माथनकर सचिव ग्राम पंचायत साखरी, मंडल अध्यक्ष राजू घरोटे , राहुल सूर्यवंशी भाजुमो जिला महासचिव आदि उपस्थित थे । बोर्ड की ओर से पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री एवं वर्तमान ओबीसी आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसराज अहीर को बोर्ड के माध्यम से विभिन्न जिज्ञासाओं , समस्याओं एवं जनोन्मुखी मांगों के समाधान हेतु विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

राजस्थान से आये डॉ . गुरुप्रीत सिंह , डॉ. मुकेश चौधरी एवं साथी चिकित्सकों की टीम ने विभिन्न रोगों के मरीजों का उपचार किया । इस शिविर में ग्राम एवं आसपास क्षेत्र के 275 नागरिकों ने इस उपचार पद्धति से लाभ उठाया । इसमें युवा , युवतियां और वयस्क सभी ने भाग लिया . 90 वर्ष से अधिक उम्र के कुछ शिविरार्थियों , जिनमें ढोंढसी की दादी , 98 वर्षीय श्रीमती कौरसे भी शामिल थीं उन्होंने सभी का ध्यान खींचा ।

25 जनवरी को समापन कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में उपजिला प्रबंधक पौनी -2 के माध्यम से सभी वरिष्ठ नागरिकों को धोती , टोपी एवं महिला वस्त्र प्रदान किये गये ।

शिविर की सफलता के लिए सर्वश्री सुदर्शन बोबड़े , चंद्रकात लेडांगे , सूरज गोरे , अमोल दीरकर , किसन मडावी, संतोष घाटे , रामकिसन ताजने , अमोल अदबले , अनिल गोरे , राकेश उरकुडे , वैभव कावले , गजानन चोथले , प्रज्वल चोथले , अमोल गोरे , देवराव प्रशांत वरारकर के मार्गदर्शन में और बोर्ड के सभी अधिकारियों और सदस्यों ने कड़ी मेहनत की ।

मैत्रीपूर्ण मुलाकातों से विद्यार्थी के सुप्त गुणों का विस्तार होता हैं: गौरकर

राजुरा .

समूह शिक्षा अधिकारी मनोज गौरकर ने जोर देकर कहा कि सामाजिक समारोह से स्कूली छात्रों के अंतर्निहित गुणों को बढ़ावा मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

जिला परिषद माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजुरा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक वार्षिक मैत्रीपूर्ण बैठक और खेल सत्र का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन समूह शिक्षा अधिकारी पंचायत समिति राजुरा मनोज गौरकर ने किया। अध्यक्षता प्राचार्य किशोर उइके ने की। मुख्य अतिथि स्कूल प्रबंधन समिति पालक-शिक्षक संघ, सखी सावित्री समिति अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारी आकाश कर्मणकर, माधुरी उरकुडे, शौकत शेख, आशा सहारे थे।

विद्यालय की गतिविधियों में सहज भाषण, कहानी सुनाना, गीत गायन, प्रश्नोत्तरी मंजूषा, रंगोली, मेहंदी, हेयरस्टाइलिंग, आनंद मेला आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कबड्डी, लंगड़ी, खो-खो, दौड़, गोला फेंक, वॉलीबॉल में विजेता छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, सम्मानित विद्यार्थियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र दिये गये। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नशा एवं अंधविश्वास विषय पर खेल शिक्षक संतोष कुंदोजवार का नाटक विशेष आकर्षण रहा.

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका संगीता घोडेस्वर, भावना मडावी, डॉ. अफ़रोज़ बेग द्वारा किया गया। पुरस्कार वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक विजय तोडासे, अनिल चौखुड़े, शिक्षक पांडुरंग श्रीरामे, शैलेन्द्र तेलंग, सतीश शेंडे, संतोष कुंदोजवार, समीर बंडाली, अतुल घोनमोड़े, प्रमोद मंधारे, लता मडावी, मोनाली पचघरे, राहुल पडवेकर, रत्नमाला खानके ने किया। शबाना खान, वासद मैडम, बापूजी सोनुले, सुमित लोहकरे आदि शिक्षक एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

चंद्रपुर नगर निगम सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाएगाः आयुक्त विपिन पालीवाल

> गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर निगम मुख्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम

चंद्रपुर.

हम इस वर्ष को संविधान के अमृत वर्ष के रूप में मना रहे हैं, इस अमृत वर्ष में हम चंद्रपुर नगर निगम द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं, सुविधाओं को बेहतर तरीके से प्रदान करने का प्रयास करेंगे, आयुक्त विपिन पालीवाल ने अपील कि की सभी को अपने राष्ट्र को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेना होगा।

आयुक्त गणतंत्र दिवस के अवसर पर चंद्रपुर नगरपालिका मुख्यालय में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त चंदन पाटिल, उपायुक्त मंगेश खवले, मुख्य लेखा अधिकारी मनोहर बागड़े, मुख्य लेखा परीक्षक मनोज गोस्वामी, शहर अभियंता विजय बोरिकर, नगर सचिव नरेंद्र बोभाटे, उप अभियंता रवींद्र हजारे,

विधि अधिकारी अनिल कुमार घुले, रवीन्द्र कलम्बे, राहुल पंचबुद्धे, सचिन माकोडे, अनिल बेकरवाले, डॉ. नैना उत्तरवार, डॉ. अमोल शेलके, अमूल भूटे आदि उपस्थित थे.

इस अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया तथा अग्निशमन विभाग द्वारा ली गयी फायर बुलेट नामक दोपहिया वाहनों का अनावरण किया गया। इन वाहनों में आग बुझाने के लिए आवश्यक सभी सामग्रियां उपलब्ध हैं और इन वाहनों का उपयोग शहर की व्यस्त सड़कों और संकरी गलियों में किया जा सकता है। आयुक्त विपिन पालीवाल द्वारा ध्वजारोहण के बाद विशिष्ट कार्य करने वाले नगर निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पालक मंत्री डॉ. अशोक उइके का भव्य सत्कार समारोह

> आदिवासी संघर्ष एक्शन कमेटी और भारतीय जनता पार्टी ने किया आयोजन

चंद्रपुर.

चं द्रपुर के नव नियुक्त पालक मंत्री डॉ. अशोक उइके के प्रथम आगमन के अवसर पर आदिवासी संघर्ष कृति समिति एवं भारतीय जनता पार्टी चंद्रपुर विधानसभा द्वारा प्रियर्दशिनी सांस्कृतिक सभागार में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों , भारतीय जनता पार्टी एवं आदिवासी संघर्ष समिति की ओर से पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके का अभिनंदन किया गया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर , चंद्रपुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक किशोर जोरगेवार , विधायक कीर्ति कुमार भांगड़िया , विधायक करण देवतले , पूर्व मंत्री शोभा फड़नवीस , पूर्व विधायक सुदर्शन निमकर , पूर्व विधायक अतुल देशकर , ओबीसी नेता अशोक जीवतोड़े , भाजपा नेता प्रकाश देवतले , भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगरसेवक सुभाष कासनगोट्टुवार , दशरथ सिंह ठाकुर , तुषार सोम , अजय जयसवाल , मनोज पाल , संजय कंचर्लावर , जितेश कुलमेथे , प्रमोद बोरिकर , कृष्णा मसराम , प्रो. हितेश मडावी , सलाहकार संतोष कुड़मेथे , सुधाकर कन्नाके , शांताराम उइके , अत्राम , विजय कुमारे , भय्याजी उइके आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम रात 8.30 बजे शुरू हुआ. इस अवसर पर पालकमंत्री डॉ. प्रो उइके का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अभिनंदन का जवाब देते हुए पालकमंत्री ने चंद्रपुर के विकास की सराहना की. आज मेरे अभिनंदन को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह था. इस मौके पर उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की आदर्श संस्कृति वाले जिले के संरक्षक मंत्री का पद पाकर वह खुश हैं. उन्होंने कहा कि जिले का नाम रोशन कर इसे लोकप्रिय बनाने के लिए उचित कदम उठाये जायेंगे.

इस अवसर पर बोलते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने चंद्रपुर जिले के विकास के लिए सहयोग मिलने की उम्मीद जताई. यह शहर एक दूरदर्शी गोंड राजा का है। भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की पवित्र दीक्षाभूमि हैं। यह एक औद्योगिक शहर है और राज्य को राजस्व देने वाले इस शहर के व्यापक विकास की मांग इस अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार ने पालक मंत्री डॉ. प्रो उइके से की। इस मौके पर विधायक किशोर जोरगेवार ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को गति मिलेगी.

इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने कहा कि पालकमंत्री डॉ. प्रो. अशोक उइके को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में चंद्रपुर का विकास होगा. जितेश कुलमेथे ने कार्यक्रम का परिचय दिया जबकि प्रो. श्याम हेडाउ द्वारा संचालन किया गया. इस कार्यक्रम में आदिवासी टाइगर सेना , बिरसा क्रांति दल, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद, क्रांतिवीर बाबूराव फुलेश्वर शेडमाके स्मारक समिति, गोंडियन आदिवासी कल्याण सहायता सोसायटी, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अंतरराज्यीय बाघ शिकारी को वन विभाग ने किया गिरफ्तार

राजुरा, संतोष कुंदोजवार.

बाघ शिकारियों के अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य सूत्रधार को वन विभाग ने बड़े ही चालाकी से राजुरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है, लेकिन वन अधिकारी इस घटना के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं।

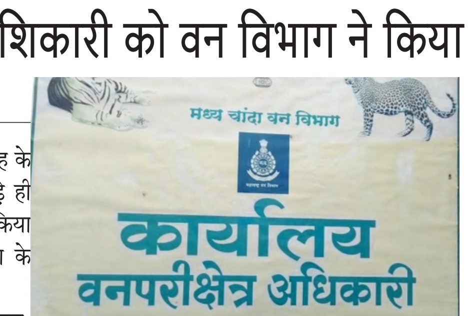

वरिष्ठ वन अधिकारियों के अनुसार, बहुरिया जनजाति मध्य प्रदेश से कुछ बाघों का शिकार करने के उद्देश्य से राजुरा तालुका के एक क्षेत्र में आई थी। तलाशी के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक को अंतरराज्यीय शिकार गिरोह का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है. हालांकि ये बहुत बड़ी सफलता के लिए वन विभाग को बधाई दी जानी चाहिए, लेकिन यह गिरोह अब तक कहां था ? उनका मकसद क्या था ? और कौन-कौन से हथियार बरामद हुए ? इसकी विस्तृत जानकारी देने के लिए वन अधिकारी मीडिया को विस्तृत जवाब नहीं दे रहे हैं, जिससे कई सवाल उठ रहे हैं।

CMYK

'किंग खान' की लाड़ली के फैंस ने दिया करारा जवाब

> लाइटर स्किन के लिए किया गया था ट्रोल

बॉलीवुड इंडस्ट्री के किंग खान यानी शाहरुख खान ने अपनी दमदार एक्टिंग से अपनी खास पहचान बनाई है. अब उनके बच्चे भी इंडस्ट्री में कदम बढ़ा रहे हैं. शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान का बॉलीवुड डेब्यू हो चुका है और बेटा आर्यन खान जल्द ही डेब्यू करने वाला है. किंग खान की बेटी सुहाना खान अक्सर चर्चा में रहती हैं और इन दिनों वह अपनी ट्रोलिंग को लेकर खबरों में बनी हुई हैं. दरअसल, सुहाना खान को उनकी लाइटर स्किन के लिए सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जा रहा है. वहीं, शाहरुख खान के बेटी के फैंस ने मोर्चा संभाला और ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है.

सुहाना खान के एक विज्ञापन का स्क्रीनशॉट रेडिट पर शेयर किया गया है. इसके बाद लोगों ने सुहाना खान की लाइटर स्किन यानी गोरी त्वचा को लेकर दावा करना शुरू कर दिया कि उन्होंने स्किन-लाइटनिंग ट्रीटमेंट लिया है. इस तरह से ट्रीटमेंट की अटकलें लगाने के बाद उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया. हालांकि, सुहाना खान के फैंस उनके बचाव में उतर आए. रेडिट पर सुहाना खान के टियारा

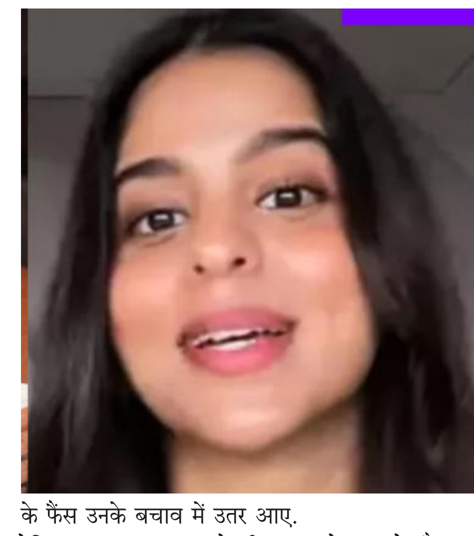

के एड को शेयर करते हुए लिखा, 'ये लाइट का असर है या फिर एडिटिंग? या फिल्म वो गोरी हो रही हैं?' इस तरह से उन्हें ट्रोल किया गया.

सुहाना खान को ट्रोल होता देख उनके फैंस उनके लिए कमेंट करना शुरू किया. एक फैन ने लिखा है, 'अगर उन्होंने ट्रीटमेंट करवाया है तो मुझे उसमें कुछ गलत नहीं लगता है.' एक फैन ने लिखा है, 'मेरा रंग सांवला है और मैं अच्छी रोशनी में भी वैसे दिखती हूं. बिना किसी कारण उन्हें ट्रोल करना बंद करो.' गौरतलब है कि ये पहला मामला नहीं जब सुहाना खान को उनके रंग के लिए ट्रोल किया गया हो. उन्हें बचपन से इस बात के लिए ट्रोल किया जा रहा है. साल 2020 में सुहाना खान ने अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया था. इसके बाद लोगों ने उन्हें 'बदसूरत' और 'काली' कहा था.

ख़ुशी कपूर ने गर्ल गैंग संग समंदर किनारे किया एंजॉय

प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बेटी और एक्ट्रेस खुशी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज शेयर करती रहती हैं. उनके तमाम चाहने वाले फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की एक झलक देखने के लिए बेताब रहते है. खुशी कपूर इन दिनों वेकेशन एंजॉय कर रही हैं और उनके साथ देने के लिए पूरी गर्ल गैंग मौजूद है. उन्होंने समंदर किनारे गर्ल गैंग के साथ मस्ती करते हुए तस्वीरें शेयर की हैं. खुशी कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही फैंस पसंद कर रहे हैं और प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं.

खुशी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. उनकी ये तस्वीरें वेकेशन की हैं, जिनमें वह समंदर किनारे नजर आ रही हैं.खुशी कपूर ने अपने दोस्तों के साथ वेकेशन के दौरान जमकर मस्ती की है. उनकी तस्वीरें इस बात की तरफ साफ इशारा कर रही हैं. खुशी कपूर ने पिंक कलर की बिकिनी पहनकर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है. उनका ये बोल्ड अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. खुशी कपूर ने जहां अपनी गर्ल गैंग के साथ एंजॉय किया है. वहीं, उन्होंने एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, 'नो बॉयज अलाउड'. इस तरह से लड़कों पर पाबंदी लगा दी है. खुशी कपूर की बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों पर उनके तमाम चाहने वाले फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं. खुशी कपूर और उनकी गर्ल गैंग को लेकर तमाम कमेंट सामने आए हैं. अधिकतर सोशल मीडिया यूजर्स ने फोटोज पर हॉर्ट वाला इमोजी बनाया है.

ठंडी हवा, सनसेट और... एक्ट्रेस ने सजाया सपनों का आशियाना

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक काम करने वाली 25 साल की एक्ट्रेस अदिति भाटिया अपने फैशन और स्टालिश अंदाज के लिए जानी जाती हैं. अदिति का हर एक अंदाज लोगों को उनकी तरफ आकर्षित करता है. फिल्मों के साथ-साथ एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन वह कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने फैंस को अपडेट दिया था कि उन्होंने अपने सपनों का घर खरीद लिया है, जिसे उन्होंने खुद डिजाइन किया है. वहीं अब एक्ट्रेस ने नए घर की झलक फैंस के साथ शेयर की है.

फोटो शेयर करते हुए अदिति ने बताया कि, 'मेरा घर मैंने डिजाइन किया है. मैं इसे अपना सेफ स्पेस कहती हूं.' उन्होंने आगे बताया, 'मैंने बहुत अपार्टमेंट्स देखे, लेकिन जब मैं इसके अंदर आई तो मुझे लग गया था कि यही मेरे सपनों का आशियाना है.' बता दें कि एक्ट्रेस के घर का व्यू कमाल का है. ठंडी हवा, सनसेट यहां सबकुछ है. अदिति ने बताया कि इस घर में सब कुछ उन्होंने अपने हिसाब से डिजाइन करवाया है. फैशन से लेकर कुंकिंग तक की का स्पेस बखूबी तैयार करवाया है. डांसिंग, वर्कआउट, शूट्स सब चीजें घर में हो सकती हैं. उन्होंने बेडरूम में मूवी प्रोजेक्टर भी लगवाया है. अदिति को इस अपार्टमेंट को खरीदे हुए एक साल से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन उनका यहां रहना उन्हें सुकून देता है.

एक्ट्रेस ने बताया कि, 'मेरा दिन जितना मर्जी खराब बीते, लेकिन यहां आकर मुझे सुकून मिलता है. घर को देखकर मेरे चेहरे पर स्माइल आ जाती है, ये मेरा सेफ स्पेस है, मेरा घर है जिसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं.'

ये बच्ची बनी बॉलीवुड की पहली 'सुपरस्टार'

>कम उम्र में हुई दर्दनाक मौत

बॉलीवुड में हमेशा सुपरस्टार का दौर रहा है. इस इंडस्ट्री में एक से एक एक्टर आए हैं, जिन्हें सुपरस्टार का तमका मिला है और लोगों ने उन्हें सिर माथे पर भी बैठाया है, लेकिन आज बात बॉलीवुड की पहली सुपरस्टार की बात होगी. यानी आज हम आपको उस एक्ट्रेस के बारे में बताएंगे, जिन्हें सबसे पहले सुपरस्टार एक्ट्रेस का टैग मिला था. इस एक्ट्रेस की बचपन की फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई, जिसमें वह पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के लुक में दिख रही हैं. हैरानी की बात यह है कि इस हसीना की दो बेटियां की बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस बन गई हैं.

इस बात में कोई शक नहीं है कि इस बच्ची की फोटोज अब तक कोई नहीं पहचान पाया होगा. हर कोई सिर्फ अंदाजा लगाने की कोशिश कर रहे होंगे. तो अब हम आपको बताते हैं कि ये हसीना कौन हैं? ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि हिंदी और साउथ सिनेमा की सुपरस्टार श्रीदेवी है, जिनका जन्म 13 अगस्त 1963 को हुआ था. कम ही लोग जानते हैं कि वह तमिल, मलयालम, तेल्गु, कन्नड़ और हिन्दी फिल्मों में नजर आईं. श्रीदेवी ने फिल्मी दुनिया में महज 4 साल उम्र में कदम रख दिया था और वह बॉलीवुड में साल 1979 में आईं. उनकी पहली हिंदी फिल्म 'सोलहवां सावन' है, जो फैंस के बीच काफी पसंद की गई.

श्रीदेवी ने अपने करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया. उनकी हिट फिल्मों की लिस्ट काफी लंबी है. एक्ट्रेस ने मवाली, कलाकार, तोहफा, नगीना, घर संसार, आखिरी रास्ता, कर्मा, मिस्टर इंडिया, गुरू, चांदनी चालबाज, फरिश्ते समेत कई फिल्मों में काम किया है. एक्ट्रेस ने साल 1980 से 1990 के बीच में सबसे ज्यादा फिल्में की हैं. इतना ही नहीं, उस समय में श्रीदेवी सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली एक्ट्रेस बन गई थीं और उन्हें बॉलीवुड की पहली लेडी सुपरस्टार का टैग मिला. श्रीदेवी को उनके काम के लिए पांच फिल्मफेयर पुरस्कार मिले. इतना ही नहीं, 2013 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया.

1000 करोड़ी फिल्म को लेकर राजामौली सख्त

एसएस राजामौली अपनी सभी फिल्मों को एक ही तरह से ट्रीट करते हैं. चाहे फिल्म में कोई भी सुपरस्टार हो, वो अपने तरीके से ही पिक्चर पर काम करते हैं. जैसे बाहुबली में हुआ, वही स्ट्रेटजी RRR में भी फॉलो की गई. अब वैसा ही कुछ एसएसएमबी29 में भी होगा. 1000 करोड़ की फिल्म को लेकर कई बड़े-बड़े अपडेट्स सामने आ रहे हैं. शूटिंग आगे बढ़ने से पहले प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू से एक एग्रीमेंट पर साइन करवाए गए हैं. दरअसल राजामौली फिल्म को लेकर कुछ भी रिवील नहीं करना चाहते, यही वजह है कि उन्होंने बड़ा फैसला ले लिया है.

राजामौली अपनी जंगल एडवेंचर फिल्म को लेकर तैयारी पूरी कर चुके हैं. हाल ही में टाइम्स नाऊ पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि राजामौली फिल्म की शूटिंग के दौरान कोई लापरवाही नहीं चाहते. वो सबकुछ छिपाकर रखना चाहते हैं. ऐसे में उन्होंने अपनी कोर टीम से नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट पर साइन करने को कहा है. दरअसल शूटिंग के दौरान फिल्मों के सीन्स लीक हो जाते हैं, जो सोशल मीडिया पर इतनी तेजी से फैलते हैं कि कहानी का कोई न कोई हिस्सा रिवील हो जाता है.

दरअसल राजामौली नहीं चाहते कि उनकी बड़े बजट की फिल्म का कोई भी सीन पहले ही लीक हो जाए. ऐसे में उन्होंने महेश बाबू-प्रियंका चोपड़ा के साथ ही कोर टीम मेंबर्स से नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट पर साइन करने को कह दिया है. उस एग्रीमेंट के बाद चाहकर भी कोई भी मेंबर फिल्म को लेकर कुछ शेयर नहीं कर पाएगा. इतना ही नहीं, साइन करने के बाद भी अगर उन्होंने फिल्म की डिटेल्स को लीक किया, तो एग्रीमेंट के मुताबिक, उन पर तगड़ी पेनल्टी लगेगी.

फिलहाल राजामौली कितनी पेनल्टी लेंगे और किस तरह से कोर मेंबर्स पेनल्टी देंगे. इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है. हालांकि, एग्रीमेंट साइन होने के बाद कोई भी ऐसी गलती नहीं करेगा कि फिल्म की कोई भी डिटेल सामने आए. वहीं कुछ भी लीक न हो, इसलिए एक्टर्स को एसएसएमबी29 के सेट पर अपने फोन लाने की परमिशन नहीं है. यूं तो फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है. लेकिन आगे बढ़ने से पहले ही एग्रीमेंट साइन कराए जा रहे हैं. फिलहाल हैदराबाद के बाहरी इलाके के किसी एल्युमिनियम फैक्ट्री में शूट किया जा रहा है. हाल ही में एस.एस राजामौलीन ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया था. इसमें उनके हाथ में एक पासपोर्ट है. वहीं बैकग्राउंड में जेल के पीछे एक शेर की तस्वीर देखी जा सकती है.

सैफ ने सिक्योरिटी को लेकर घर में किये बदलाव

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर 16 जनवरी की रात हमला हुआ था. मामले को 10 दिन से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अभी तक ये केस सुलझ नहीं पाया है. सैफ जब से अस्पताल से डिस्चार्ज हुए हैं उसके बाद से उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है. वहीं अब उन्होंने खुद सिक्योरिटी को लेकर एक फैसला लिया है.

सैफ अली खान पर उनके खार वेस्ट वाले अपार्ममेंट सतगुरुण शरण में हमला हुआ था. अब वहां थोड़े बदलाव किए गए हैं. दरअसल, बिल्डिंग की बाउंड्री वॉल पर लोहे की जाली से फेंसिंग (Fencing) की जा रही है. साथ ही सुरक्षा घेरा भी बढ़ाया जा रहा है. इस हमले के बाद सैफ और उनका परिवार कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है.

सतगुरु शरण के सामने फॉर्च्यून हाइट्स नाम की बिल्डिंग में भी सैफ का फ्लैट है. हमले के बाद वहां की सुरक्षा पर भी काम चल रहा है. फॉर्च्यून हाइट्स बिल्डिंग के परिसर में भी सुरक्षा घेरा बढ़ाया जा रहा है, ताकि कोई शख्स सैफ और उनके परिवार के आसपास भी न भटके सके. सैफ और करीना अपने बड़े बेटे तैमूर के साथ साल 2021 तक फॉर्च्यून हाइट्स में ही रहते थे. हालांकि, फिर वो सतगुरु शरण में शिफ्ट हो गए थे. सतगुरुण शरण में ही उनके छोटे बेटे जहांगीर का जन्म हुआ था. इन दिनों बॉलीवुड एक्टर रोनित रॉय, सैफ की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे हैं. रोनित की अपनी सिक्योरिटी कंपनी है. अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद सैफ ने उनकी कंपनी से सिक्योरिटी ली है. इसके अलावा मुंबई पुलिस ने भी उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है. कुछ दिन पहले ही पुलिस ने उनकी सिक्योरिटी को लेकर उनके घर के बाहर दो शिफ्ट में दो हवलदार तैनात किए हैं. पुलिस सैफ केस की जांच कर रही है. शरीफुल इस्लाम शहजाद नाम का एक शख्स पुलिस की गिरफ्त में है. सैफ पर हमला करने के आरोप में कोर्ट ने उसे 29 जनवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेजा है. पुलिस के मुताबिक शरीफुल बांग्लादेशी नागरिक है.

इस बड़े परिवार की बहू बनेंगी ख़ुशी?

बॉलीवुड एक्ट्रेस खुशी कपूर बीते काफी समय से अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. दावा है कि खुशी कपूर बॉलीवुड एक्टर वेदांग रैना को डेट कर रही हैं. खुशी और वैदांग फिल्म द आर्चीज में एक साथ नजर आए थे. दावा है कि इस फिल्म के दौरान ही दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं. दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट भी किया जाता है, लेकिन इन सब खबरों के बीच खुशी कपूर ने अपने वेडिंग प्लान्स पर बात की है, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

खुशी कपूर ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ खास बातचीत की है, जिसमें उन्होंने अपनी शादी पर बात की है. खुशी ने बताया कि वह छोटी उम्र से ही एक ग्रैंड शादी का सपना देखती आ रही हैं. जाह्नवी हमेशा ही शादी के बाद तिरुपति में जाकर रहना चाहती हैं. वह वहां पर अपने पति और बच्चों के साथ अपनी लाइफ को इमेजिन करती हैं. उसका मानना है कि वह वहां पर रहकर अपने पति के सिर में तेल लगाए और बच्चों को केले के पत्तों में खाना खिलाएं. खुशी कपूर ने कहा, 'ये सब मेरी बहन की कल्पना है, लेकिन मैं ऐसा नहीं चाहती हूं. मैं बॉन्बे गर्ल हूं और मैं शादी के बाद भी उसी बिल्डिंग में रहना चाहती हूं, जहां पर मेरे पापा रहते हैं. मैं उनके आसपास ही एक घर में रहूंगी. मेरी फैमिली में मेरे पति, दो बच्चे और कई सारे कुत्ते शामिल होंगे.

खुशी कपूर से यह भी पूछा गया कि क्या वह अपनी बहन की तरह अपने पति के सिर में चंपी करना चाहती हैं? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'नहीं... ये सब मेरी बहन करना चाहती हूं. मैं तो कुछ अलग ही करूंगी. बता दें कि खुशी कपूर ने आज तक वेदांग रैना संग अपना रिश्ता ऑफिशियल नहीं किया है, लेकिन फैंस दोनों को एक साथ देखकर बहुत खुश होते हैं.

खुशी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस फिल्म लवयापा में जल्द ही नजर आने वाली हैं. ये फिल्म 7 फरवरी यानी वैलेंटाइन वीक में शुरू होने वाली हैं.

उर्वशी ने 'ब्यूटी विद नो ब्रेन' कमेंट पर दिया रिएक्शन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में काम करने वाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी फिल्म 'डाकू महाराज' को लेकर चर्चा में बनी है. ये फिल्म 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इसके साथ ही उर्वशी रौतेला बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर दिए गए बयान को लेकर जमकर ट्रोल भी हुई हैं. सोशल मीडिया पर लोगों ने उनकी जमकर क्लास लगाई थी. अब उर्वशी रौतेला ने उनको लेकर आए 'ब्यूटी विद नो ब्रेन' के कमेंट को लेकर रिएक्शन दिया है.

उर्वशी रौतेला ने 'इंस्टेंट बॉलीवुड' से ट्रोलिंग को लेकर बात की है. जब उनसे पूछा गया कि उनको लेकर आए 'ब्यूटी विद नो ब्रेन' के कमेंट पर क्या कहना चाहेंगी? इस पर उर्वशी रौतेला ने जवाब देते हुए कहा, 'हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी और मेरे सबसे ज्यादा फेवरेट सुपरस्टार्स शाहरुख खान और सलमान खान खान हैं, लोग तो उनको भी नहीं बख्शते हैं. बताते चलें कि उर्वशी रौतेला से जब सैफ अली खान पर हुए अटैक को लेकर रिएक्शन मांगा गया तो वह अपनी फिल्म 'डाकू महाराज' की सक्सेस और पेरेंट्स से मिले गिफ्ट्स को लेकर बात करने लगी थीं. उर्वशी रौतेला का वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें जमकर ट्रोल किया गया था. इसके बाद उन्होंने मांफी मांगी थी.

अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' ने भरी ऊंची उड़ान

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अक्षय कुमार लंबे समय से हिट फिल्म का इंतजार कर रहे थे. इस साल उनकी पहली फिल्म स्काई फोर्स रिलीज हुई. फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर शानदार शुरुआत की थी, जिसके बाद मूवी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है. इस फिल्म को अक्षय के करियर के लिए संजीवनी भी बताया जा रहा है, और कहा जा रहा है, कि अक्की के करियर में पड़े हिट के सूखे को यह मूवी दूर कर सकती है.

फिल्म इंडस्ट्री में अन्य स्टार्स की तुलना में अक्षय कुमार ज्यादा फिल्में करते हैं, लेकिन उनकी आखिरी हिट

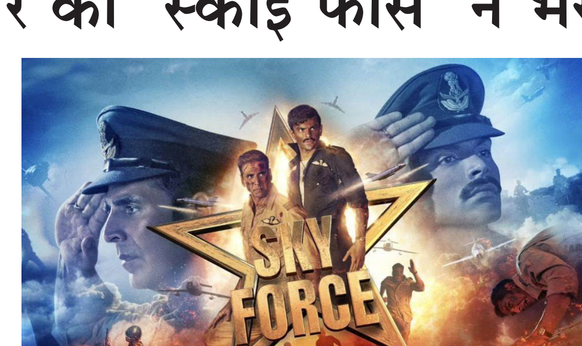

फिल्म साल 2021 में सूर्यवंशी थी. जिसके बाद एक्टर की कोई इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं, स्काई फोर्स से अंदाजा लगाया जा रहा है, कि यह अक्की के करियर पर लगे हिट के ग्रहन को दूर कर सकती है. पहले दिन फिल्म ने 12.25 करोड़ का कलेक्शन किया था. उसके दूसरे दिन भी कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिला था. अब फिल्म के तीसरे दिन की कमाई का आंकड़ा भी सामने आ गया है.

इस साल जितनी भी फिल्म रिलीज हुई, उसकी तुलना में स्काई फोर्स को बड़ी ओपनिंग देखने को मिली है. दूसरे दिन कमाई में बड़ा उछाल नजर आया, सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, वीर पहाड़िया की डेब्यू फिल्म ने दूसरे दिन 22 करोड़ का कलेक्शन किया था, जिसको लेकर यह उम्मीद जताई जा रही है, कि इस फिल्म से एक्टर एक बार फिर बॉक्स ऑफिस के खिलाड़ी बनने की राह पर चलना शुरू कर चुके हैं.

आज राजकोट में टीम इंडिया का 'राजयोग'

> फिर दिखेगा 752 दिन पुराना 'कमाल'

नई दिल्ली.

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 की सीरीज का तीसरा मैच राजकोट में खेला जाना है. राजकोट, भारत के उन मैदानों में हैं, जहां पर टीम इंडिया का राजयोग है. मतलब ये कि वहां भारतीय टीम का टी20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड बेहतर है. टीम इंडिया ने 2020 के बाद राजकोट में एक भी टी20 मुकाबला नहीं गंवाया है. और, अब उसी सिलसिले को वो इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भी बरकरार रखना चाहेगा. राजकोट टी20 इंग्लैंड के नजरिए से ज्यादा अहम मैच है. क्योंकि, यहां उसके हारने का मतलब होगा, सीरीज को गंवा देना. मगर अपनी हार को टालने के लिए उसे राजकोट में टीम इंडिया के राजयोग को खत्म करना होगा. मतलब उसे इस मैदान पर पहली हार का स्वाद चखाना होगा.

लेकिन, जॉस बटलर की टीम के लिए क्या ऐसा कर पाना संभव होगा? इंग्लैंड ने तीसरे टी20 की अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है. और उन्हीं खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जो दूसरे टी20 में खेलते दिखे थे. उसने 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों ही जीते हैं. वहीं राजकोट में भारतीय टीम के ओवरऑल प्रदर्शन को भी देखें तो यहां खेले 5 टी20 में उसने 4 जीते हैं. यानी सिर्फ एक मैच में ही उसे हार का सामना करना पड़ा है. इंग्लैंड के लिए भारत के इस जबरदस्त

2020 के बाद टीम का 100 फीसद जीत का रिकॉर्ड है

चेन्नई में खेला दूसरा टी20 इंग्लैंड नहीं जीत सकी थी. और अब राजकोट में इंग्लैंड की टीम पहली बार खेलती दिखेगी,जिससे कि उनके यहां जीतने को लेकर और भी संशय पैदा होता है. इंग्लैंड के लिए जीत दूर की कौड़ी इसलिए भी दिख रही है क्योंकि टीम इंडिया का राजकोट में रिकॉर्ड बेहतर है. 2020 के बाद भारतीय टीम का राजकोट में 100 फीसद जीत का रिकॉर्ड है.

आंकड़े के आगे राजकोट में अपनी जीत की डफली बजाना आसान नहीं होगा. खासकर तब जब वो सीरीज में 0-2 से पिछड़ रही हो और दबाव में हो.

ओडिशा वॉरियर्स बनी महिला लीग की विजेता

रांची.ओडिशा वॉरियर्स महिला हॉकी इंडिया लीग का पहला खिताब अपने नाम करने में सफल रही है। रविवार रात खेले गए फाइनल में वॉरियर्स की टीम ने सूरमा हॉकी क्लब को 2-1 से मात दी। टीम की जीत की स्टार खिलाड़ी रहीं ऋतुजा डाडासो पिसाल। ऋतुजा ने 20वें और 56वें मिनट में दो गोल किए। ऋतुजा के पहले गोल के बाद पेनी साकिब ने 28वें मिनट में बराबरी का गोल किया। मैच बराबरी का चल रहा था, लेकिन आखिरी मिनट में ऋतुजा ने एक और गोल कर अपनी टीम को आगे किया और जीत दिलाई।

मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। दोनों टीमों के अंदर जीत को लेकर जुनून नजर आ रहा था। दोनों ही टीमें बढ़त लेने की कोशिश कर रही थीं। वॉरियर्स की फ्रीके मूस ने सर्किल में पहली एंट्री की और गोल करने की प्रयास किया जिसे सूरमा के डिफेंस ने चालाकी से नकार दिया। दोनों टीमें लगातार कोशिश कर रही थीं, लेकिन गोल नहीं कर पा रही थीं। सबसे करीबी मौका नेहा ने बनाया।

होबार्ट हरीकेंस बने चैंपियन

> पहली बार जीता बीबीएल का खिताब

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली बिग बैश लीग को नया चैंपियन मिल गया है. बीबीएल 2024-25 का फाइनल मैच डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली सिडनी थंडर और होबार्ट हरीकेंस की टीमों के बीच खेला गया. इस मुकाबले में होबार्ट हरीकेंस ने एकतरफा अंदाज में बाजी मारी और खिताब अपने नाम किया. इसी के साथ होबार्ट हरीकेंस बिग बैश लीग में अपना पहला खिताब जीतने में कामयाब रही. बता दें, होबार्ट हरीकेंस 7 साल के बाद बिग बैश लीग के फाइनल में पहुंची थी, इस बार उसने कोई गलती नहीं की और खिताब के इंतजार को खत्म किया.

होबार्ट हरीकेंस के लिए ये सीजन काफी यादगार रहा. लीग स्टेज से लेकर नॉकआउट मैचों तक हर जगह उसका दबदबा रहा. लीग स्टेज में उसने 10 में से 7 मुकाबलों में जीत हासिल की थी और सिर्फ 2 मैच ही गंवाए थे. जिसके चलते वह पॉइंट्स टेबल में टॉप पर भी रही. इसके बाद उसने क्वालिफायर मैच में सिडनी सिक्सर्स को 12 रनों से हराया था और फाइनल में जगह बनाई थी. फाइनल मैच में भी होबार्ट हरीकेंस ने अपनी फॉर्म को जारी रखा और खिताबी मुकाबले में आसान जीत हासिल की. होबार्ट हरीकेंस ने खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था. ऐसे में सिडनी थंडर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए. इस दौरान ओपनर जेसन संघा ने 42 गेंदों पर सबसे ज्यादा 67 रन बनाए. वहीं, कप्तान डेविड वॉर्नर भी 32 गेंदों पर 48 रन बनाकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में कामयाब रहे. लेकिन बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके, जिसके चलते एक समय 200 से ज्यादा रन बनाती दिख रही सिडनी थंडर 182 पर ही रह गई. इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा कोई भी 30 रन का आंकड़ा नहीं छू सका.

अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर ने रचा इतिहास

> आईसीसी से सम्मान पाने वाला बना खिलाड़ी

नई दिल्ली.

अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज अजमुतुल्लाह ओमरजेई ने इतिहास रचा है. वो अपने देश के पहले ऐसे खिलाड़ी बने गए हैं, जिन्हें आईसीसी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है. अजमुतुल्लाह ओमरजेई को ये सम्मान 2024 में वनडे में किए उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है. 24 साल के ओमरजेई को अफगानिस्तान क्रिकेट का भविष्य कहा जा रहा है और ऐसा क्यों हैं ये उन्होंने ICC वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर बनकर बता दिया है.

आइए अब एक नजर जरा उस प्रदर्शन पर डाल लेते हैं, जिसके लिए अजमुतुल्लाह ओमरजेई को आईसीसी से बड़ा सम्मान मिला. और, जिसे पाने वाले वो अपने देश के पहले खिलाड़ी बने. दरअसल, उन्होंने अफगानिस्तान के लिए गेंद और बल्ले से 2024 में जो धमाकेदार प्रदर्शन किया, उन्हें उसी का इनाम दिया गया है. 24 साल के ऑलराउंडर अजमुतुल्लाह ओमरजेई ने साल 2024 में अफगानिस्तान के लिए 417 रन 52.4 की औसत और 105.06 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. इसी तरह गेंद से उन्होंने 20.4 की औसत से 17 विकेट चटकाए हैं.

अफगानिस्तान ने साल 2024 में बांग्लादेश, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और आयरलैंड के खिलाफ मिलाकर कुल 14 वनडे खेले. इन 14 वनडे में 8 अफगानिस्तान जीतने में कामयाब रहा. वहीं 5 में उसे हार का सामना करना पड़ा. जबकि 1 मैच बेनतीजा रहा. अजमुतुल्लाह ओमरजेई पिछले साल खेले लगभग सभी वनडे में अफगान टीम का हिस्सा रहें और उसकी जीत के सूत्रधार बने.19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है.

अफगानिस्तान की टीम आईसीसी के इस इवेंट में पहली बार खेलती दिखेगी. और, हो सकता है कि अपने प्रदर्शन से वो कई टीमों को चौंकाती भी दिखे. अफगानिस्तान को लेकर इस तरह के भरोसे के जगने की वजह अजमुतुल्लाह ओमरजेई जैसे खिलाड़ी ही हैं, जो टीम की ताकत को लगातार बढ़ाने का काम कर रहे हैं.

मार्टिनेज ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से दिलाई जीत

नई दिल्ली.

लिसांद्रो मार्टिनेज के डिफ्लेक्टेड शॉट ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को फुलहम के खिलाफ 1-0 की जीत दिलाई। यह हार फुलहम के लिए 23 नवंबर के बाद अपनी घरेलू सरजमीं पर पहली हार थी। अर्जेंटीना के खिलाड़ी मार्टिनेज ने खेल के 78वें मिनट में गोल किया। यह मैच वेस्ट लंदन में हुआ, जो काफी कड़ा मुकाबला था। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने क्रेवेन कॉटेज में अपने पिछले 8 मैच जीते हैं, यह सिलसिला दिसंबर 2011 से जारी है। मैनचेस्टर यूनाइटेड इस सीजन की तीसरी अवे जीत के साथ अंक तालिका में 12वें स्थान पर पहुंच गया है। अब टीम का ध्यान जनवरी में यूईएफए यूरोपा लीग पर है। गुरुवार को यूनाइटेड की टीम रोमानिया में एफसीएसबी के खिलाफ खेलेगी। अगर यह मैच जीता तो यूनाइटेड प्रतियोगिता के राउंड ऑफ-16 में जगह बना लेगा।

मैच के पहले हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने केवल एक शॉट लगाया, जबकि फुलहम का प्रदर्शन बेहतर रहा। एलेक्स इवोबी ने सबसे ज्यादा प्रभाव छोड़ा और दो बार यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना को परेशान किया। वहीं, राउल जिमेनेज के कुछ शॉट्स क्रॉसबार के ऊपर चले गए। दूसरे हाफ में भी खेल का पैटर्न लगभग वैसा ही रहा। हालांकि, कुछ यूनाइटेड फैंस को लगा कि ब्रूनो फर्नांडिज की 20 गज की दूरी से फ्री-किक गोल में चली गई, लेकिन गेंद साइड-नेटिंग में थी।

आखिरकार किस्मत ने मैनचेस्टर यूनाइटेड का साथ दिया। गारनाचो ने डिफेंडर को छकाते हुए पास दिया और चोटिल उगार्टे की जगह आए कॉलियर गेंद तक नहीं पहुंच सके, लेकिन मार्टिनेज ने आत्मविश्वास से कदम बढ़ाकर शानदार गोल कर दिया।

आखिरी मिनटों में फुलहम ने बराबरी की कोशिश की। जोआचिम एंडरसन ने एक कॉर्नर पर अच्छी फ्लिक लगाई, लेकिन गोल नहीं हो सका। खेल से केवल दो मिनट पहले रॉड्रिगो म्यूनिज का शॉट गोलपोस्ट के ऊपर चला गया। इसी बीच मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एक काउंटर-अटैक पर अमद ने गोल किया, लेकिन वीएआर ने इसे ऑफसाइड करार दिया। आखिरकार मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बची हुई सेकंड्स में अपनी बढ़त बनाए रखी और तीन अहम अंक अपने नाम किए।

भारतीय चेस खिलाड़ी से उज्बेक प्लेयर ने नहीं मिलाया हाथ

> विवाद बढ़ने पर मांगी माफी

नई दिल्ली.

नीदरलैंड्स के विज्क ऑन जी में खेले जा रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में एक अजीबो -गरीब घटना देखें को मिली है। यहां उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव ने मैच के बाद भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर आर वैशाली से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया। याकुबोएव ने इसके पीछे धार्मिक कारणों का हवाला दिया। जिसके बाद इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और याकुबोएव को आलोचना का सामना करना पड़ा। किसी भी मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं या फिर जोड़कर नमस्ते करते हैं, लेकिन उज्बेक खिलाड़ी ने ऐसा नहीं किया। सोशल मीडिया पर आलोचना होने पर याकुबोएव ने सफाई देते हुए एक पोस्ट शेयर किया। याकुबोएव ने एक्स पर लिखा, ' प्रिय चेस फ्रेंड्स, मैं वैशाली के साथ खेल में हुई स्थिति के बारे में बताना चाहता हूं। महिलाओं और भारतीय शतरंज खिलाड़ियों के प्रति पूरा सम्मान है। मैं सभी को सूचित करना चाहता हूं कि मैं पराई महिलाओं को धार्मिक कारणों से नहीं छूता हूं।'

उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर ने आगे कहा, 'मैं वैशाली और उनके भाई का भारत के सबसे मजबूत शतरंज खिलाड़ियों के रूप में सम्मान करता हूं। अगर मैंने अपने व्यवहार से उन्हें नाराज किया है तो मैं माफी मांगता हूं। मेरे पास कुछ अतिरिक्त स्पष्टीकरण हैं, शतरंज हराम नहीं है। मैं वही करता हूं जो मुझे करना चाहिए। मैं दूसरों से विपरीत लिंग के लोगों से हाथ नहीं मिलाने या महिलाओं से हिजाब या बुर्का पहनने के लिए नहीं कहता। यह उनका काम है कि वे क्या करते हैं।'नोदिरबेक याकुबोएव ने आगे लिखा, 'आज मैंने इरिना बुलमागा (रोमानिया की चेस प्लेयर) को इसके बारे में बताया। वह इसके लिए सहमत हो गईं। लेकिन जब मैं खेल हॉल में आया, तो निर्णायकों ने मुझसे कहा कि मुझे कम से कम नमस्ते तो करना चाहिए। दिव्या और वैशाली के साथ मुकाबले से पहले उन्हें इसके बारे में नहीं बता सका और एक अजीब स्थिति बन गई।"

वैशाली ने उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी को हराने के बाद अपना हाथ आगे नहीं बढ़ाया। लेकिन उन्होंने हाथ मिलाने से माना कर दिया था। आठ दौर के बाद भारतीय खिलाड़ी के चार अंक हैं। प्रतियोगिता में पांच और दौर खेले जाने बाकी हैं।

इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

> न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली. टिली कॉर्टीन-कोलमैन (चार विकेट), प्रिशा थानावाला (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जेमिमा स्पेंस (29) और डेविना पेरिन (21) रनों की पारियों के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने सोमवार को अंडर-19 टी-20 विश्वकप में ग्रुप दो के सुपर सिक्स मुकाबले में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हरा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। इंग्लैंड टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम हैं। न्यूजीलैंड के 89 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने 34 के स्कोर पर अपने पहला विकेट डेविना पेरिन का विकेट गवां दिया। डेविना पेरिन ने 15 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (21) रनों की पारी खेली उसके बाद टुडी जॉनसन (सात) और कप्तान अबी नॉरग्रोव (दो) रन के विकेट जल्द ही गिरने से इंग्लैंड की टीम संकट में आ गयी थी।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी चार्लोट स्टब्स ने जेमिमा स्पेंस के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौंवे ओवर में जेमिमा स्पेंस ने 18 गेंदों में पांच चौके की मदद से (29) रन बनाकर आउट हुई। इंग्लैंड ने 11.4 ओवर में चार विकेट पर 90 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। चार्लोट स्टब्स ने (17) और केटी जोन्स (दो) रन बनाकर नाबाद रही।

आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एम्मा मैकलियोड और केट अर्विन की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। नौवें ओवर में फोबे ब्रेट ने केट अर्विन को आउट कर न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। अर्विन ने 26 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से (35) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी अनिका टोड(5) को जॉनसन ने अपना शिकार बना लिया। न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट एम्मा मैकलियोड (18) के रूप में गिरा। इसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक सका और उनकी पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 89 के स्कोर पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने चार विकेट लिये।

स्मृति मंधाना बनीं वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर

> 50 ओवर फॉर्मेट में दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली.

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को साल 2024 में दमदार बैटिंग का इनाम दिया है। मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया है। उन्होंने एक धांसू कीर्तिमान रचा है। वह दो बार आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली दूसरी क्रिकेटर बन गई हैं। उनके अलावा यह कारनामा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स ने अंजाम दिया है।

मंधाना ने 50 ओवर फॉर्मेट में गजब का प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले साल 13 वनडे मैचों में 57.86 के प्रभावशाली औसत और 95.15 के स्ट्राइक रेट से 747 रन बनाए। बाएं हाथ की ओपनर ने इस दौरान चार शतक और 3 अर्धशतक जमाए। वह 2024 में महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली प्लेयर रहीं। उनके बाद लिस्ट में वोल्वार्ड्ट (697), इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट (554) और वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज (469) का नाम मंधाना ने जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 की सीरीज जीत में लगातार दो शतक लगाए।

उपकप्तान मंधाना ने 2018 में अपने करियर में पहली बार महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता था। वह आईसीसी टी20 इंटनरेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 की शॉर्टलिस्ट में थीं लेकिन न्यूजीलैंड की अमेलिया केर बाजी मारने में सफल रहीं। ऑलराउंडर अमेलिया ने पिछले साल न्यूजीलैंड को टी20 वर्ल्ड कप जितानें में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बता दें कि मंधाना, ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा को साल 2024 की आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

काबिलियत का लोहा मनवाया

अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के निर्णायक मैच में शानदार शतक ठोका। 28 वर्षीय मंधाना ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में सेंचुरी लगाकर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। उन्होंने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वह एक कैलेंडर वर्ष में वनडे फॉर्मेट में चार शतक जमाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन चुकी हैं।

अपमान बर्दाश्त नहीं...

> मसूद ने खोया आपा, यूं निकाला गुस्सा

नई दिल्ली. पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच ने हार का सामना करने के बाद सोमवार को यहां अपने देश के मीडिया से खिलाड़ियों का अपमान नहीं करने का आग्रह किया। वेस्टइंडीज की 120 रन की जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में मसूद ने उस समय अपना आपा खो दिया, जब उन से पूछा गया कि क्या वह खुद टीम की कप्तानी छोड़ेंगे या पीसीबी को उन्हें हटाना पड़ेगा। पाकिस्तान के कप्तान ने इस सवाल को नजरअंदाज करते हुए अगला सवाल पूछने को कहा लेकिन जिस पत्रकार ने इस सवाल को पूछा था उसने उनसे पहले इसका जवाब देने के लिए कहा।

मसूद ने कहा,''आपकी अपनी सोच हो सकती है और मैं उसका सम्मान करता हूं लेकिन आपके प्रश्न में बहुत अनादर का भाव है।'' उन्होंने कहा, ''आपको खिलाड़ियों, मेरा और अन्य किसी का अनादर नहीं करना चाहिए। हम सभी पाकिस्तान के लिए खेलते हैं और नतीजे हासिल करते हैं लेकिन कोई भी इस तरह के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा। आपको यह समझना होगा। इससे मुझे कोई शिकायत नहीं है कि आप किसी को नीचा दिखाना चाहते हैं लेकिन हम सभी पाकिस्तान के खिलाड़ी हैं।''

मसूद ने कहा कि फैसला करने का अधिकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पास है और बोर्ड ने जो भी फैसले लिए हैं उन्हें खिलाड़ियों ने हमेशा स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, ''आपको समझना होगा और सराहना करनी होगी कि हम कुछ अलग करने की कोशिश कर रहे हैं और आपको इसका पता लगाना चाहिए। हम कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं और हमने घरेलू मैदान पर पिछले चार में से तीन टेस्ट जीते हैं।''

मसूद ने माना कि मैच के पहले दिन 38 रन पर सात और 64 रन पर आठ विकेट चटकाने के बाद उनके गेंदबाज वेस्टइंडीज को जल्दी आउट करने में विफल रहे और फिर बल्लेबाजों ने दोनों पारियों में खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ''हम पिछले कुछ समय से निचले क्रम को जल्दी आउट नहीं कर पाने की समस्या का सामना कर रहे हैं और हमें इससे निपटने का तरीका ढूंढना होगा क्योंकि टेस्ट में आपको एक टीम के रूप में मिलने वाले अवसरों का फायदा उठाना होता है।''

प्रधानमंत्री ने पेश की मिसाल

> कर्तव्य-पथ पर उठाया कूड़ा, इस पहल ने जीता लोगों का दिल

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह के दौरान कर्तव्य पथ पर कचरा उठाकर स्वच्छ भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक सशक्त उदाहरण पेश किया। यह वीडियो खूब प्रसारित हो रहा है और लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। मोदी के इस कदम ने सार्वजनिक स्थलों की सफाई और सामुदायिक भागीदारी के महत्व को भी उजागर किया।

हुआ यूं कि कर्तव्य पथ पर मोदी प्रोटोकॉल के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत करने के लिए तैयार थे। जब उन्होंने धनखड़ के वाहनों को समारोह स्थल की ओर आते हुए देखा तो वे प्रवेश द्वार की ओर बढ़े, तभी उन्होंने जमीन पर कूड़ा पड़ा देखा। वे तुरंत वहां रुके और झुककर कूड़ा उठाया। इसके बाद उन्होंने उस कचरे के टुकड़े-टुकड़े करके उसे अपने एक सुरक्षाकर्मी को दे दिया। देखने में भले ही यह एक छोटा सा कदम था, लेकिन इसके पीछे संदेश बड़ा था। मोदी के इस कदम ने इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत लिया। वैसे भी मोदी समय-समय पर 'स्वच्छ भारत' सुनिश्चित करने के लिए सफाई कार्यों में शामिल होने पर जोर देते रहे हैं।

पीएम मोदी ने देखा स्वच्छ भारत का सपना

मोदी का यह कदम इसलिए भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण था क्योंकि मोदी ने पहले भी प्लागिंग (कचरा निस्तारण) और सामुदायिक नेतृत्व वाली पहलों पर जोर दिया है ताकि एक स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सके। पिछले वर्ष नवंबर में उन्होंने 'मन की बात' में कानपुर में गंगा घाटों की सफाई करने वाले एक प्लागिंग समूह की सराहना की थी।

राष्ट्रपति भवन में 76वें गणतंत्र दिवस पर एट होम का आयोजन

राष्ट्रपति भवन में रविवार को द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित एट होम समारोह में दक्षिण भारत के व्यंजनों की खुशबू महकी। सांस्कृतिक विविधता पर केंद्रित इस समारोह में इस क्षेत्र के व्यंजन, वस्त्र और कला को को प्रमुखता दी गई।

अपनी ही आग में जल रहा बांग्लादेश

ढाका.

बांग्लादेश अब खुद अपनी ही आग में जलने लग गया है. देश की राजधानी ढाका में छात्रों का रातभर हंगामा देखने को मिला है. उनको नियंत्रित करने के लिए प्रशासन के हाथ-पैर फूल गए, जिसके बाद बॉर्डर गार्ड फोर्स लगानी पड़ी है. दरअसल, ढाका यूनीवर्सिटी (डीयू) और सात संबद्ध सरकारी कॉलेजों के छात्रों के बीच तनाव बढ़ गया और ये तनाव अब भी जारी है. रात 11 बजे शुरू हुई झड़पों में कम से कम पांच लोग घायल हो गए. यह झड़प तब शुरू हुई जब संबद्ध कॉलेजों के सैकड़ों छात्रों ने साइंस लैब चौराहे पर करीब साढ़े चार घंटे तक धरना दिया. उनका प्रदर्शन डीयू प्रशासन के सामने रखी गई पांच मांगों के आधार पर था. रविवार रात करीब साढ़े बजे प्रदर्शनकारियों ने डीयू के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर मामून अहमद के आवास की ओर कूच किया और नीलखेत चौराहे पर मुक्ति ओ गोनोटोंट्रो टोरोन के सामने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा.

बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक, स्थिति तब और बिगड़ गई जब डीयू के सैकड़ों छात्र कई हॉल से निकल आए और प्रदर्शनकारी छात्रों को नीलखेत चौराहे से खदेड़ दिया. संबद्ध कॉलेज के छात्र फिर से एकजुट हो गए और डीयू के छात्रों का पीछा किया. आधी रात तक पुलिस ने हस्तक्षेप किया और भीड़ को तितर-बितर करने और बढ़ते हालात को नियंत्रित करने के लिए साउंड ग्रेनेड फेंके.

सड़क परियोजना में करदाताओं का पैसा बर्बाद ना करें

> सिद्धारमैया से बोले भाजपा सांसद

नई दिल्ली.

भाजपा नेता और बंगलूरू दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने सोमवार को राज्य सरकार से पूछा कि वह टनल रोड परियोजना के संबंध में करदाताओं का पैसा क्यों बर्बाद कर रही है। इसे 'अवैज्ञानिक' बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना का डिजाइन खराब है और इससे बंगलूरू के यातायात संकट को हल करने का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। दरअसल, कुछ दिन पहले, मीडिया में यह खबर आई थी कि कर्नाटक सरकार ने केआर. पुरम और नयनदहल्ली के बीच 28 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित दूसरे टनल रोड प्रोजेक्ट के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए टेंडर आमंत्रित की थीं।

भाजपा सांसद ने सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को टैग करते हुए लिखा- सुरंग सड़क के हेब्बल-सिल्क बोर्ड खंड की 'घटिया डीपीआर और व्यवहार्यता रिपोर्ट' के लिए सरकार को पहले ही मिल चुकी आलोचना की ओर इशारा किया।

उनके अनुसार, पहले डीपीआर में लागत बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई थी, डेटा में बुनियादी त्रुटियां थीं, अशुद्धियां थीं और यहां तक कि जबरदस्त कॉपी-पेस्ट भी किया गया था।'

उन्होंने आगे लिखा- 'यह एक ऐसी कवायद है जो करदाताओं के पैसे की एक और बर्बादी है। सुरंग सड़क परियोजना का डिजाइन खराब है, इसे ठीक से नहीं सोचा गया है और यह बंगलूरू के यातायात संकट को हल करने के उद्देश्य को नहीं हासिल करेगी।'

जल्दबाजी में परियोजना को पूरा कर रही सरकार : सूर्या

उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि परियोजना योजना में इंटरमॉडल हब में शॉपिंग मॉल को शामिल करने से पता चलता है कि यातायात प्रबंधन की जरूरतों के बजाय रियल एस्टेट विकास हित प्रमुख डिजाइन निर्णयों को प्रभावित कर रहे थे।' उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार परियोजना को जल्दबाजी में पूरा कर रही है। भाजपा सांसद ने कहा, 'आईआईएससी (भारतीय विज्ञान संस्थान) के प्रोफेसर आशीष वर्मा की तरफ से किए गए विश्लेषण से पता चला है कि मेट्रो विकास से यातायात की भीड़ कम होती है, लेकिन सुरंग वाली सड़कें वाहनों की आवाजाही को बढ़ाने का जोखिम उठाती हैं और लंबे समय में भीड़भाड़ को कम नहीं करती हैं।

कम होगा हवाई किराया

नई दिल्ली.

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। देश ही नहीं विदेशों से भी लोग संगमनगरी में पहुंच रहे है। कुंभ में पहुंचने के लिए ट्रेनों में सीटें फुल हो गई है, वहीं हवाई सफर की करें तो यह काफी महंगा हो गया है। शाही स्नान पर हवाई किराया आसमान छूने लगा है। देश के कई प्रमुख शहरों से आने-जाने का किराया प्रति पैसेंजर 50 हजार रुपये से ज्यादा पहुंच गया है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या की करें तो इस दिन प्रयागराज आने-जाने की टिकट 50 हजार रुपये से ज्यादा तक की हो गई है। अलग-अलग ट्रैवल पोर्टल के अनुसार किराये में थोड़ा-बहुत अंतर भी आ रहा है। ऐसे में अब आदमी को राहत देने के लिए स्पेशल फ्लाइट चलाई जाने पर विचार किया जा रहा है।दरअसल, मौनी अमावस्या के शाही स्नान के चलते प्रयागराज के हवाई किराए आसमान छू रहे है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली या चेन्नई जैसे मेट्रो शहरों से प्रयागराज के बमरौली हवाई अड्डे के लिए एकतरफा टिकट की कीमत 50,000 रुपये से ज्यादा हो गई है। दिल्ली और मुंबई के अलावा देश के अन्य शहरों से भी प्रयागराज तक आने-जाने का किराया बढ़ गया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई आदि जगह से भी हवाई किराये की लगभग यही स्थिति है। 29 जनवरी के अलावा दूसरे शाही स्नान पर भी किराये में तेजी आई है। इन तारीखों पर प्रयागराज आने-जाने का किराया 40 हजार रुपये से ऊपर तक पहुंच गया है.

सलामी मंच से गुजरी 16 राज्यों की खूबसूरत झांकियां

भारत ने इस साल अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। इसलिए इस दिन को बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर भव्य परेड का आयोजन होता है जिसमें झांकियां भी शामिल होती हैं। इस साल 16 राज्यों की खास झांकियां देखने को मिलीं ।

हुसैन के बयान पर गरमाई सियासत

नई दिल्ली. महाकुंभ पर कांग्रेस नेता हुसैन दलवई की टिप्पणी पर विवाद के बाद राजनीतिक नेताओं की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया आ रही है। शिवसेना और कांग्रस के नेता ने इस पर बयान दिया है। शिवसेना नेताओं ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी की मांग की है, वहीं कांग्रेस ने दलवई का बचाव करते हुए कहा है कि उनका बयान सच है। विवाद तब शुरू हुआ जब दलवई ने त्रिवेणी संगम पर महाकुंभ की व्यवस्था पर असंतोष जताया।

उन्होंने श्रद्धालुओं की बड़ी आमद को बैन करने के लिए व्यवस्थाओं को अपर्याप्त और बुनियादी सुविधाओं की कमी बताया। साथ ही आगे चेतावनी दी कि इससे संभावित रूप से 'बीमारियां' फैल सकती हैं। महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने दलवई की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'कुप्रबंधन के बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं।

रूस का यूक्रेन के बड़े शहर पर कब्जे का दावा, जेलेंस्की की बढ़ी टेंशन

वाशिंटन.

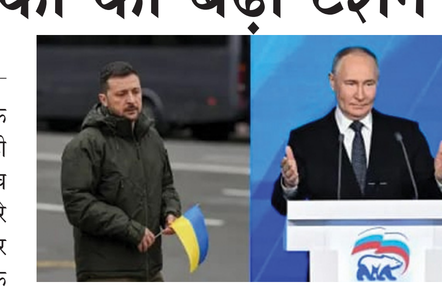

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को जल्द से जल्द रुकवाने की बात कही है। हालांकि, इस अपील के बीच रूस और यूक्रेन के बीच जंग और तेज होती जा रही है। जंग में रूस को धीरे-धीरे बढ़त मिल रही है। इस कारण यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की टेंशन बढ़ रही है। अब रूस ने यूक्रेन के एक और बड़े शहर पर कब्जा करने का दावा कर दिया है।

इस अहम शहर पर कब्जे का दावा

रूस ने रविवार को दावा किया है कि उसकी सेना ने यूक्रेन के लिए रणनीतिक रूप से अहम वेलीका नोवोसिल्का शहर पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि रूसी सैनिक यूक्रेन के औद्योगिक केंद्र पर कीव की पकड़ को कमजोर करने की कोशिश में लगे हुए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी वेलीका नोवोसिल्का शबर पर कब्जा करने की घोषणा कर दी है। हालांकि, रूस के इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

वहीं, वेलीका नोवोसिल्का पर कब्जा किए जाने के रूसी दावे पर यूक्रेन का बयान भी सामने आ गया है। यूक्रेन ने कहा है कि उसके सैनिक रणनीतिक कदम उठाते हुए केवल कुछ क्षेत्रों से वापस आए हैं। यूक्रेन की 110वीं सेपरेट मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने रविवार को जारी किए गए एक बयान में कहा है कि घेरेबंदी से बचने के लिए यूक्रेनी सेना वेलीका नोवोसिल्का के कुछ हिस्सों से पीछे हट गई है।

युद्ध को 3 साल पूरे होंगे

अगर यूक्रेन के वेलीका नोवोसिल्का शहर पर रूस की सेना द्वारा कब्जे का दावा सही साबित हो जाता है तो ये 2025 में ऐसा पहला मौका होगा जब रूस ने यूक्रेन के किसी ऐसे अहम शहर पर कब्जा कर लिया हो। बता दें कि वेलीका नोवोसिल्का शहर पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में स्थित है। आपको बता दें कि आगामी फरवरी महीने में रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुए जंग को 3 साल पूरे हो जाएंगे।

उत्तराखंड में यूसीसी लागू होने पर धनखड़ ने जताई खुशी

नई दिल्ली.

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने पर खुशी जताते हुए इसे संविधान निर्माताओं के सपने को साकार करने वाला कदम बताया. उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है, जो न केवल देश के संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों को लागू करता है, बल्कि देश में लिंग समानता और सामाजिक सामंजस्य को भी बढ़ावा देगा. उपराष्ट्रपति ने यह टिप्पणी राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के पांचवें बैच के उद्घाटन समारोह में की.

अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा, 'आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है. उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता को अपनाकर संविधान के अनुच्छेद 44 को साकार किया है. यह वह अनुच्छेद है जो भारतीय नागरिकों के लिए पूरे देश में समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का निर्देश देता है. उत्तराखंड सरकार की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए, उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही पूरा देश इस दिशा में कदम बढ़ाएगा.'

उपराष्ट्रपति ने समान नागरिक संहिता का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह संविधान का निर्देश है और इसका विरोध करना अविवेकपूर्ण है. उन्होंने कहा, 'कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए राष्ट्रीयता को तिलांजलि देने में भी संकोच नहीं करते.

संविधान में हिंदुस्तान की हजारों साल पुरानी सोच है

> महू में जनता को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा

नई दिल्ली.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को मध्य प्रदेश के महू पहुंचे. इस दौरान उन्होंने जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली को संबोधित किया. इस दौरान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे. राहुल गांधी ने संविधान को लेकर बात की और जनता को संबोधित करते हुए बीजेपी पर जमकर निशाना साधा. कांग्रेस नेता ने कहा, बीजेपी ने लोकसभा से पहले भी संविधान को खत्म करने की बात कही थी,

लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, हिंदुस्तान में विचारधारा की लड़ाई चल रही है. एक तरफ कांग्रेस है जो संविधान को मानती है

राहुल गांधी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, इसमें हिंदुस्तान की हजारों साल पुरानी सोच है. इसमें आंबेडकर जी, महात्मा गांधी जी, भगवान बुद्ध, फुले जी जैसे महापुरुषों की आवाज है. राहुल गांधी ने आगे कहा, कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था, हिंदुस्तान को 15 अगस्त, 1947 को आजादी नहीं मिली, वो झूठी आजादी थी. मोहन भागवत की बात पर राहुल गांधी ने कहा, ये सीधा संविधान पर आक्रमण है. याद रखिए, जिस दिन संविधान खत्म हो गया, उस दिन देश के गरीबों के लिए कुछ नहीं बचेगा.

बेरोजगारी से लेकर दलितों पर बोले राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, पेट्रोल का दाम बढ़ता जाता है. इंटरनेशनल मार्केट में पेट्रोल का दम कम होता है, लेकिन भारत में पेट्रोल का दाम बढ़ता जाता है. संविधान से पहले इस देश में गरीबों के कोई अधिकार नहीं हुआ करते थे. राहुल गांधी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत कम होगी लेकिन हिंदुस्तान में कीमत बढ़ती जाती है. आजादी से पहले गरीबों को कोई अधिकार नहीं थे राजा को थे. बीजेपी आरएसएस आजादी से पहले का हिंदुस्तान चाहती हैं. बेरोजगारी पर बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, इस देश में युवा को रोजगार नहीं मिल सकता, बिना रोजगार के सर्टिफिकेट कचरा है.

हरियाणा सरकार दिल्ली आ रहे पानी में मिला रही जहर!

नई दिल्ली.

आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली चुनाव से पहले बड़ा दावा करते हुए बीजेपी पर हरियाणा से दिल्ली आ रहे पानी में जहर मिलाने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने कहा, "वहां की बीजेपी सरकार हरियाणा से आने वाले यमुना के पानी में जहर मिला रही है।" उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए यह भी कहा, "देश ने आज तक इतनी गंदी राजनीति नहीं देखी। अगर दिल्ली की जनता बीजेपी को वोट नहीं दे रही है तो क्या आप दिल्ली की जनता को जहर मिला हुआ पानी पिलाकर मार देंगे?"

केजरीवाल ने समस्या की पहचान कर सीमा पर पानी रोकने के लिए जल बोर्ड के इंजीनियरों की सराहना की और कहा कि अगर "यह पानी दिल्ली में आता और पीने के पानी में मिल जाता, तो न जाने दिल्ली में कितने लोग मर जाते - यह एक सामूहिक नरसंहार होता।" आरोपों पर अधिक जानकारी देते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम ने दावा किया कि "यह एक तरह का जहर है जिसे दिल्ली के जल उपचार संयंत्र भी साफ नहीं कर सकते हैं। इस वजह से दिल्ली के एक तिहाई हिस्से में पानी की कमी है।"

केजरीवाल ने यह भी खुलासा किया कि, "आतिशी जी और भगवंत मान जी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है और तत्काल आधार पर मिलने का समय मांगा है। मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग हस्तक्षेप करेगा और दिल्ली के लोगों को इस त्रासदी से बचाएगा।" वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरोपों का खंडन करते हुए केजरीवाल पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, ''आरोप लगाना और फिर भाग जाना उनकी (अरविंद केजरीवाल) आदत और सोच है... मैंने कहा था कि आपने (अरविंद केजरीवाल) अपने मुख्य सचिव को भेजा था और मैं अपने मुख्य सचिव से सोनीपत में पानी की गुणवत्ता की जांच करने के लिए कहूंगा, जहां से यह (यमुना) दिल्ली में प्रवेश कर रही है। वह अमोनिया के बारे में बात करते हैं। वह पानी की कमी का दावा करते हैं - लेकिन वितरण प्रणाली में कोई समस्या नहीं है।'' उन्हें आरोप लगाने के बजाय काम करना चाहिए। दिल्ली ने अपना मन बना लिया है और वे उसे सबक सिखाएंगे।" निर्वाचन आयोग ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आप संयोजक केजरीवाल द्वारा पड़ोसी राज्य हरियाणा से आपूर्ति किए जाने वाले पानी में अमोनिया के स्तर को लेकर लगाए गए आरोपों पर सोमवार को हरियाणा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी।

लेबनान में ही रहेगी इजराइली सेना

लेबनान.

व्हाइट हाउस ने रविवार को कहा कि इजराइल और लेबनान ने इजराइली सैनिकों के लिए दक्षिणी लेबनान से वापसी की समय सीमा 18 फरवरी तक बढ़ाने पर सहमति जताई है. क्योंकि इजराइल ने समय की अपील की थी. इजराइल ने कहा है कि उसे लंबे समय तक लेबनाना में रहने की जरूरत है क्योंकि दक्षिण के सभी क्षेत्रों में लेबनानी सेना तैनात नहीं है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिजबुल्लाह क्षेत्र में अपनी उपस्थिति फिर से स्थापित न कर सके. लेबनानी सेना ने कहा है कि वह तब तक तैनाती नहीं कर सकती जब तक कि इजराइली सेना वापस नहीं चली जाती. व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि लेबनान और इजराइल के बीच निगरानी की व्यवस्था 18 तक प्रभावी रहेगी.

सनातन बोर्ड के गठन को लेकर संतों में मतभेद

प्रयागराज.

महाकुंभ के अवसर पर आयोजित सनातन धर्म संसद में सनातन बोर्ड के गठन को लेकर संतों के बीच गहरी असहमति उभरकर सामने आई है. इस मुद्दे पर संतों के अलग-अलग मत और विचार सामने आ रहे हैं. सनातन धर्म और इसकी भलाई के लिए इस बोर्ड की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन संतों और अखाड़ों के बीच इस विषय पर एकता नहीं बन पा रही है.

सनातन धर्म संसद में संत देवकीनंदन ठाकुर ने भावुक होकर अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने संत समाज को लिखित पत्र देकर स्पष्ट किया कि वह किसी पद के इच्छुक नहीं हैं. उन्होंने कहा, 'मैं केवल सनातन धर्म की भलाई के लिए सनातन बोर्ड की मांग कर रहा हूं.' हालांकि, कुछ संतों का यह कहना है कि देवकीनंदन ठाकुर खुद इस बोर्ड के अध्यक्ष बनना चाहते हैं, जिसे लेकर मतभेद गहरा हो गया है. इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि न पद चाहता हूं, न प्रतिष्ठा चाहता हूं, मैं तो बस सुरक्षित हिंदुस्तान चाहता हूं.अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविन्द्र पुरी महाराज धर्म संसद में शामिल नहीं हुए. उनकी अनुपस्थिति ने सनातन बोर्ड के मुद्दे पर सहमति की संभावनाओं को और कमजोर कर दिया. अखाड़ों के कई संत अभी भी इस प्रस्ताव पर एकमत नहीं हो पा रहे हैं, जिससे सनातन धर्म संसद में इस पर गहन चर्चा की आवश्यकता महसूस की जा रही है.सनातन बोर्ड के प्रस्ताव में कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं, जिनमें मथुरा में श्री कृष्ण का भव्य मंदिर निर्माण, सभी मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करना, गौ रक्षा, लिविंग रिलेशनशिप पर रोक, और सनातनी लोगों द्वारा अपनी ही जाति में विवाह करने जैसे विषय शामिल हैं. इन प्रस्तावों पर महाकुंभ में आए संत-महात्मा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अपनी राय दी.